

डॉ. टेड हिल्डेब्रांट, ओटी इतिहास, साहित्य, और धर्मशास्त्र, व्याख्यान 25

© 2020, डॉ. टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट अपने पुराने नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम व्याख्यान संख्या 25 में है: बथशेबा के साथ डेविड का पाप और सोलोमन में संक्रमण।

आरंभ करने से पहले कुछ बातें। मैं बस यह कहना चाहता हूँ कि इस कक्षा के लिए परीक्षा सोमवार को 9:00-11:00 बजे तक है। क्या वह सही है? क्या कोई इसकी पुष्टि कर सकता है? सोमवार 9:00-11:00 यहीं। मुझे लगता है कि यह सही है। तो सोमवार 9:00-11:00 बजे हमारी अंतिम परीक्षा के लिए यहाँ।

कुछ और बातें हैं। समीक्षा सत्र, ग्रेस ने यह कमरा शुक्रवार रात 6.00-8.00 बजे तक आरक्षित करवाया है। वह यहां एक समीक्षा सत्र करेंगी। मंगलवार की रात को इससे तुम्हें कोई लाभ नहीं होगा। इसलिए शुक्रवार की रात और मंगलवार की रात को यहां शाम 6.00-8.00 बजे तक उसने समीक्षा सत्र के लिए कमरा आरक्षित करवा लिया है।

मेरे गले में इस चीज़ के कारण मुझे अजीब सा महसूस हो रहा है और आधी रात तक मुझे खांसी आती रही। इसलिए मुझे खुशी है कि मैं वहां नहीं बैठा हूँ जहां आप हैं अन्यथा मैं सो रहा होता। जब आप पढ़ाते हैं तो सो जाना कठिन होता है। लेकिन जब मैं बीमार हो जाता हूँ तो चिड़चिड़ा भी हो जाता हूँ। तो मैं संभवतः सामान्य से थोड़ा अधिक चिड़चिड़ा हो जाऊँगा। लेकिन मुझे यह भी एहसास है कि मैं चिड़चिड़े स्वभाव का हूँ। तो मुझे एहसास हुआ कि यह एक नए नियम की अवधारणा है लेकिन इसे अनुग्रह की अवधारणा कहा जाता है। मैं यहां इसका थोड़ा सा परिचय देना चाहूँगा। आपमें से कुछ लोगों ने थैंक्सगिविंग से पहले मंगलवार को कक्षा छोड़ दी, यह आपके लिए शर्म की बात है और आपने अभी भी मेकअप नहीं लिया है, जो कि एक सप्ताह से अधिक हो गया है। आपको अपनी प्रश्नोत्तरी बनाने के लिए एक सप्ताह का समय मिलता है। कल मैं 9:00 बजे से 2:00 बजे तक अपने कार्यालय में रहूँगा यदि आपने थैंक्सगिविंग से पहले शर्मनाक तरीके से भाग लेने के बाद मंगलवार की प्रश्नोत्तरी नहीं ली है, तो आप आ सकते हैं और प्रश्नोत्तरी ले सकते हैं। कल बिल्कुल यही है। यह सिर्फ एक विशेष डील है। क्या इसका हर किसी के लिए कोई मतलब है?

इसलिए यदि आपने इसे नहीं लिया है तो कृपया इसके बारे में सोचें। इसके बाद ये खत्म हो गया. मैं सड़क से नीचे हूँ. मैं इसे उन अन्य लोगों को लौटा रहा हूँ जिन्होंने इसे लिया था।

अब एक और बात, प्रतिलेखन पर जो आपमें से कुछ लोगों ने अतिरिक्त श्रेय के लिए किया है। यह पिछले सप्ताह मंगलवार को देय था; इसकी तारीख 1 दिसंबर थी। यदि आपने पहले ही एक कर लिया है तो वह खत्म हो चुका है। लेकिन अगर आपने कुछ नहीं किया है और आपको एहसास है कि आप इस कोर्स में मुसीबत में हैं और आप अतिरिक्त श्रेय लेना चाहते हैं तो मैंने कई लोगों को बचाया है। इसलिए यदि किसी की रुचि हो तो मुझे इनमें से लगभग दस प्रतिलेखन मिल गए हैं। यदि आपने पहले ही एक कर लिया है तो यह खत्म हो गया है। यदि आपके पास एक था और आपने ऐसा नहीं किया तो मैं आपके साथ दोबारा खिलवाड़ नहीं करना चाहता। लेकिन यदि आपने इसे आजमाया नहीं है और आप इसे आजमाना चाहते हैं तो इनमें से लगभग दस प्रतिलेखन हैं। मुझे ईमेल करें और मैं आपके लिए इसे सेट करने का प्रयास करूंगा। इसे वे *चारिस कहते हैं* जिसका अर्थ है "अनुग्रह।" तो पाठ्यक्रम के लिए हम यहीं हैं। बुधवार को श्रृंगार है।

दूसरी बात , यह है कि मैंने लंबे समय में पहली बार अपनी डेस्क खाली की है और मेरे पास यहां ढेर सारी प्रश्नोत्तरी हैं। लोगों ने बिना किसी नाम के अपनी प्रश्नोत्तरी दी। मुझे कोई अंदाज़ा नहीं है कि ये लोग कौन हैं. यदि आप ब्लैकबोर्ड पर जाते हैं, तो ब्लैकबोर्ड पर आपके ग्रेड सूचीबद्ध होंगे। आप लोग ब्लैकबोर्ड पर गए हैं। वहां उनका वजन नहीं किया गया है बल्कि उन्हें सूचीबद्ध किया गया है। यदि आप पाते हैं कि आपने प्रश्नोत्तरी ली है, तो आप जानते हैं कि आपने प्रश्नोत्तरी ली है, हो सकता है कि आपने प्रश्नोत्तरी में अपना नाम नहीं लिखा हो। तो मुझे यहाँ क्विज़ मिले हैं जिनका नाम नहीं दिया गया है। और यदि आपको ऐसा लगता है तो आएं और मुझसे मिलें और हम यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि कौन सा आपका है। मुझे लगता है कि मुझे बस इतना ही कहना है। इनमें से किसी पर कोई प्रश्न?

हमारे पास गुरुवार को एक प्रश्नोत्तरी है और फिर सोमवार को अंतिम परीक्षा है। फाइनल व्यापक नहीं होगा और मैं शुक्रवार सुबह आप लोगों के लिए एक अध्ययन मार्गदर्शिका लेकर आऊंगा। मैं इस कक्षा को गुरुवार देर दोपहर में पढ़ाऊंगा और गुरुवार की रात मैं अध्ययन मार्गदर्शिका तैयार करूंगा। शुक्रवार की सुबह मैं आपको अध्ययन मार्गदर्शिका ईमेल कर दूंगा

ताकि सप्ताहांत के लिए यह आपके पास रहे। तो अध्ययन मार्गदर्शिका इस शुक्रवार सुबह सबसे पहले सामने आ जाएगी। परीक्षा अंतिम परीक्षा से लेकर अब तक या गुरुवार तक चलेगी। परीक्षा सोमवार 9.00-11.00 बजे है।

आइए प्रार्थना के एक शब्द के साथ शुरुआत करें और हम शुरुआत करेंगे: *पिता, हम इस दिन के लिए आपको धन्यवाद देते हैं। हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने हमारे जीवन में ऐसी चीजें डालीं जिससे हमें एहसास हुआ कि हम धूल हैं। वह जीवन बीत जाता है, हम बीमार हो जाते हैं और चीजें हमारे साथ इतनी आसानी से घटित हो जाती हैं। हम एक अर्थ में बहुत कमज़ोर हैं। पिता, हम आपके वचन के लिए आपको धन्यवाद देते हैं। हम डेविड के लिए आपको धन्यवाद देते हैं जो आपके दिल के मुताबिक इंसान था। हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें दाऊद और उसके पुत्र सुलैमान से चीजें सीखने में मदद करें जिन्हें आपने ज्ञान का उपहार दिया था। पिता, सेमेस्टर के इस समय के लिए हमें भी ज्ञान मिले, जब हर किसी पर दबाव है। हम प्रार्थना करते हैं कि आप इन लोगों को कड़ी मेहनत से अध्ययन करने और बहुत कुछ सीखने में मदद करें और यहां तक कि उनकी पढ़ाई भी आपके लिए पूजा का कार्य हो। यह महसूस करते हुए कि आपने हमें अपने द्वारा बनाए गए सभी विभिन्न विषयों का पता लगाने और कला, इतिहास और संगीत, विज्ञान, समाजशास्त्र और मनोविज्ञान में आपकी हस्तकला को देखने के लिए दिमाग दिया है। और अब हमें आपका वचन पढ़ने का बड़ा सौभाग्य प्राप्त हुआ है। हम प्रार्थना करते हैं कि आप मसीह के नाम पर, आज इसे समझने में हमारी मदद करें, आमीन।*

बतशेबा के साथ डेविड के पाप की समीक्षा

हम डेविड में वापस कूदने जा रहे हैं। हम पिछली बार डेविड और बथशेबा के बारे में बात कर रहे थे। हमने बथशेबा के साथ डेविड के पाप के बारे में बात की, है ना? जब राजा यहाँ जॉर्डन में युद्ध करने निकले थे। योआब और लड़के लड़ रहे हैं जबकि दाऊद यहाँ यरूशलेम में है। उसका बतशेबा के साथ अफेयर है। वह हिती ऊरिय्याह को वापस बुलाता है। हमने प्रलोभन की प्रक्रिया के बारे में बात की और कैसे लोगों को अक्सर अपनी आँखों में समस्या होती है, और "दूसरी नज़र" और इरादे के साथ समस्या होती है, और इच्छा पर आधारित कार्रवाई होती है। फिर मैंने लोगों को इस अनुच्छेद का प्रचार करते सुना है और वे इस चीज़ के लिए बथशेबा को दोषी मानते हैं। मुझे नहीं

लगता कि बतशेबा वास्तव में दोषी है, यहाँ गलती डेविड की है। लेकिन यह एक सामान्य बात है, और मुझे यह पसंद है, जब भी कोई लड़का परेशानी में पड़ता है तो वह हमेशा इसका दोष महिला पर मढ़ता है, यह एक अच्छा तरीका है - मेरे घर में काम नहीं करता है, लेकिन कुछ लोग इसे दूर करने की कोशिश करते हैं।

जैसा कि पता चला है, उरिय्याह एक ईमानदार व्यक्ति है। उरिय्याह ट्रांसजॉर्डन में युद्ध से वापस आता है जहां वह कई महीनों से लड़ रहा है, और वह वापस नहीं जाता है और अपनी पत्नी के साथ सोता है, भले ही डेविड गर्भावस्था को छुपाने के लिए ऐसा करने की कोशिश कर रहा हो। तो उरिय्याह सीधा है. उरिय्याह अपनी पत्नी के पास न जाने का कारण यह है कि परमेश्वर का सन्दूक युद्ध कर रहा है और उरिय्याह कहता है, "मैं अपनी पत्नी के साथ कैसे सो सकता हूँ जबकि परमेश्वर का सन्दूक युद्ध में तंबू में है।" फिर डेविड उसे शराब पिलाता है, लेकिन नशे में होने पर भी उरिय्याह उसके पास नहीं जाता है।

नाथन पैगंबर ने डेविड को एक कहानी सुनाई

नाथन छोटे मेमने वाले आदमी और सैकड़ों भेड़ों वाले आदमी के बारे में दृष्टान्त बताता है, और कैसे सैकड़ों भेड़ों वाला आदमी दूसरे आदमी की एक भेड़ ले लेता है जो उसके पास थी। नाथन डेविड को डांट रहा है। नाथन भविष्यवक्ता है - भविष्यवक्ता राजा को डांटता है। नबी राजा को नियंत्रण में रखता है। फिर आमतौर पर क्या होता है, भविष्यवक्ता राजा के पास जाता है और कहता है, "पश्चाताप करो।" तो फिर राजा सामान्यतः क्या करता है? राजा नबी की पिटाई करता है। तो पैगम्बरों की बहुत पिटाई होती है. राजाओं के पास भविष्यवक्ताओं की तुलना में बहुत अधिक शक्ति है। भविष्यवक्ता परमेश्वर का वचन बोलता है।

एक और भूमिका जो मैंने पिछली बार विकसित नहीं की थी, क्या आपको याद है कि कैसे भगवान ने भगवान और माउंट सिनाई के लोगों के बीच वाचा, इस संधि, इस शपथ में अपना वचन दिया था? भविष्यवक्ता एक अभियोजन वकील की तरह है, वह राजा के पास जाता है और कहता है, "राजा, तुमने पाप किया है, तुमने परमेश्वर के साथ की गयी वाचा को तोड़ दिया है।" इसलिए भविष्यवक्ता परमेश्वर की वाचा के आधार पर मुकदमा चलाने वाले वकील की तरह हैं और वे राजा के पास आते हैं। वे एक नियंत्रण और संतुलन हैं, लगभग उसी तरह जैसे अमेरिका में हमें कांग्रेस,

कार्यकारी शाखा और न्यायिक शाखा के बीच नियंत्रण और संतुलन की आवश्यकता होती है। यह राजा और पैगम्बरों के बीच जाँच और संतुलन की एक प्रणाली है।

डेविड की प्रतिक्रिया: पश्चाताप

तो नाथन डेविड के पास जाता है, उसे छोटे मेमने की कहानी बताता है, डेविड वास्तव में परेशान हो जाता है, नाथन कहता है, “डेविड, तुम ही वह आदमी हो। आपने इस लड़के की एक छोटी पत्नी को ले लिया जिससे वह प्यार करता था। डेविड अब तुम्हारी कितनी पत्नियाँ हैं? तुमने ऊरिय्याह की एकमात्र पत्नी को ले लिया। डेविड तुम वही आदमी हो।” नाथन एक अच्छा लड़का है। डेविड नेथन के साथ मारपीट नहीं करता, डेविड पश्चाताप करता है। हम उससे होकर गुजरना चाहते हैं।

मुझे कहानी पढ़ने दीजिए, “तब नाथन ने डेविड से कहा, 'डेविड, तुम ही वह आदमी हो। इस्राएल का परमेश्वर यहोवा यों कहता है, मैंने इस्राएल पर राजा होने के लिये तेरा अभिषेक किया है, मैंने तुझे शाऊल के हाथ से बचाया है। मैंने तेरे स्वामी का भवन तुझे और तेरे स्वामी की स्त्रियों को तेरे हाथ में दे दिया। मैंने तुम्हें इस्राएल और यहूदा का घराना दिया। यदि यह सब बहुत कम होता तो मैं तुम्हें और अधिक दे देता।” परमेश्वर दाऊद को सभी लाभ बताता है। फिर वह कहता है, पद 10: "इसलिये तलवार तेरे घर से कभी दूर न होगी, क्योंकि तू ने मुझे तुच्छ जानकर हित्ती ऊरिय्याह की पत्नी को अपना कर लिया है।" तब परमेश्वर कहता है, मैं तेरे ही घराने में से तुझ पर विपत्ति डालूँगा। मैं तुम्हारी आँखों के सामने तुम्हारी पत्नियों को ले लूँगा और उन्हें तुम्हारे सबसे करीबी व्यक्ति को दे दूँगा।” मैं तुम्हारी पत्नियाँ ले लूँगा और उन्हें किसी और को दे दूँगा। तो, यह वैसा ही होगा जैसे दाऊद ने ऊरिय्याह की पत्नी को ले लिया। अब दाऊद की पत्नियों को कौन ले जाएगा और खुलेआम उनका उल्लंघन करेगा? यह अबशालोम, दाऊद का अपना पुत्र है जो सबके सामने अपनी ही रखैलों का उल्लंघन करने जा रहा है। इसलिये दाऊद को अपने ही पुत्र अबशालोम के कारण लज्जित होना पड़ेगा। आगे क्या होता है? “तू ने यह काम गुप्त में किया, परन्तु मैं इसे इस्राएल के साम्हने दिन के उजाले में करूँगा। तब दाऊद ने नाथन से कहा, 'मैंने यहोवा के विरुद्ध पाप किया है।" दाऊद ने पश्चाताप किया। उसे एहसास होता है कि उसने पाप किया है। वह क्रोधित नहीं होता, वह स्वीकार करता है, "मैंने प्रभु के विरुद्ध पाप किया है।" “नाथन ने उत्तर दिया, 'प्रभु ने

तुम्हारा पाप दूर कर दिया है। तुम मरने वाले नहीं हो। परन्तु ऐसा करके तू ने यहोवा के शत्रुओं को तुच्छ जाना, और जो पुत्र तुझ से उत्पन्न होगा वह मर जाएगा।” तो अब दाऊद जानता है कि जो पुत्र उत्पन्न होने वाला है वह मर जाएगा।

अब एक पिता के रूप में इसका उन पर क्या प्रभाव पड़ेगा? वह उपवास और प्रार्थना करना शुरू कर देता है। वह जानता है कि भगवान ने उसे पहले ही बता दिया है कि बच्चा मरने वाला है, फिर भी वह प्रार्थना करता है। क्या ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध प्रार्थना करना संभव है? डेविड पहले से ही जानता है कि भगवान की इच्छा बच्चे को लेने की है लेकिन फिर भी डेविड इसके विरुद्ध प्रार्थना करता है। वह आशा कर रहा है कि भगवान दयालु हो सकते हैं और भगवान उसका मन बदल सकते हैं। हमने पवित्रशास्त्र में अनेक उदाहरणों में ईश्वर को दयालु होते देखा है। इसलिए दाऊद उस दया के लिए प्रार्थना करता है: “दाऊद ने बच्चे के लिए परमेश्वर से विनती की और उसने उपवास किया और अपने घर में जमीन पर लेटकर रातें बिताई। घर के बुजुर्ग उसे जमीन से उठाने के लिए उसके पास खड़े थे लेकिन उसने मना कर दिया और वह उनके साथ खाना नहीं खाएगा। अतः दाऊद अब उपवास कर रहा है, वह कुछ भी भोजन नहीं खाएगा। वह सचमुच बहुत परेशान है। “सातवें दिन बच्चा मर गया। दाऊद के सेवक उसे यह बताने से डर रहे थे कि बच्चा मर गया है। [नौकर डेविड को यह बताने से क्यों डर रहे थे कि बच्चा मर गया है] जब बच्चा जीवित था तब हमने डेविड से बात की लेकिन उसने हमारी बात नहीं सुनी, हम उसे कैसे बता सकते हैं कि बच्चा मर गया है, वह कुछ हताश कर सकता है। दाऊद का बच्चा दाऊद के पाप के कारण मर जाता है। यह संभव है कि वे सोचते हों कि डेविड खुद को मार सकता है। वह कुछ बेवकूफी कर सकता है क्योंकि वह बहुत परेशान है। “डेविड ने देखा कि उसके नौकर आपस में कानाफूसी कर रहे थे और उसे एहसास हुआ कि बच्चा मर गया था। 'क्या बच्चा मर गया है?' उन्होंने पूछा, 'हां' उन्होंने उत्तर दिया 'वह मर चुका है।'

अब यहां डेविड की प्रतिक्रिया देखें, यह वाकई काफी दिलचस्प है: “हां, उन्होंने उत्तर दिया, वह मर चुका है। तब दाऊद भूमि पर से उठा, और अपने वस्त्र धोकर, मलहम लगाकर, वस्त्र बदल कर यहोवा के भवन में गया, और दण्डवत् किया, और फिर अपने घर में चला गया। उनके अनुरोध पर उन्होंने उन्हें खाना परोसा और उन्होंने खाया।” अब उसके सभी नौकर घबराकर कह रहे हैं,

"एक मिनट रुकिए, हमने आपको बताया था कि बच्चा मर गया है।" जब डेविड को बताया गया कि बच्चा मर गया है तो वह उठा, स्नान किया और खाना खाया। यह किस प्रकार की शोक प्रक्रिया है? "तब उसके सेवकों ने उससे पूछा, 'तू ऐसा क्यों कर रहा है? जब तक बच्चा जीवित था तब तक तुम उपवास करते थे और रोते थे, परन्तु अब बच्चा मर गया है तो तुम उठकर भोजन करते हो?'" उसने उत्तर दिया, "जब बच्चा जीवित था तब मैंने उपवास किया और रोया, मैंने सोचा, कौन जानता है, प्रभु मुझ पर दयालु हो और बच्चे को जीवित रहने दे। लेकिन अब वह मर गया है तो मैं व्रत क्यों रखूँ? क्या मेरे द्वारा उसे वापस लाया जा सकता है?" तब दाऊद ने यह कहा, "मैं उसके पास जाऊंगा, परन्तु वह मेरे पास लौटकर न आएगा। और दाऊद ने अपनी पत्नी बतशेबा को सांत्वना दी और फिर उनका एक और बेटा हुआ, वैसे, उनके अगले बेटे का नाम क्या रखा गया? *श्लोमो* (सुलैमान)।

पश्चाताप के चरण

इसलिए, मैं पश्चाताप के चरणों के बारे में बात करना चाहता हूँ। मैं भजन 51 का उपयोग करना चाहता हूँ क्योंकि यह डेविड के पश्चाताप की कहानी है। तो डेविड वास्तव में भजन 51 में बतशेबा के साथ हुई इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दर्ज करता है। यह एक सुंदर भजन है जिसे आप इनमें से कुछ छंदों से पहचान लेंगे। सबसे पहले, मुझे मंच तैयार करने दीजिए। क्या कभी किसी ने कहा है कि उन्हें आपसे खेद है? क्या कभी किसी ने आपका दिल दुखाया है और फिर कहा कि उन्हें खेद है? क्या यह कहने के अलग-अलग तरीके हैं कि आपको खेद है?

इसे आजमाएं, कल रात मैं अपनी पत्नी को चिढ़ा रहा था और वह और अधिक क्रोधित हो रही थी और मुझे लगा कि यह हास्यास्पद है कि वह इतनी छोटी सी बात पर इतना परेशान हो रही है। इसलिए मैं उस पर कायम रहा और वह और अधिक क्रोधित होती गई। मैंने सोचा कि यह पूरी तरह से बेतुका है और तब मुझे एहसास हुआ कि मैंने उसे सचमुच बहुत क्रोधित कर दिया है। इसलिए मैंने माफ़ी माँगने के लिए कहा "एनेट, मुझे माफ़ी माँगने की ज़रूरत है। मुझे खेद है कि आप ऐसा महसूस करते हैं।" प्रश्न: यह किस प्रकार की माफ़ी है? क्या आपने जो किया उसके लिए यह माफ़ी है? क्या यह अब तक की सबसे खराब माफ़ी है? आप अतिप्रतिक्रिया करने का दोष उस पर डाल रहे हैं। "मुझे खेद है कि आप ऐसा महसूस कर रहे हैं।" यह वाकई बेवकूफी है। यह बिल्कुल भी माफ़ी नहीं है, असल में क्या यह अपमान है? "मुझे खेद है कि तुम्हें ऐसा लगा।" यह

कहने जैसा है, "आप ही हैं जिसने ज़रूरत से ज़्यादा प्रतिक्रिया की, शांत हो जाइए!" मैंने लोगों को इस तरह माफी मांगते देखा है और यह फर्जी थी।

करने वाली पहली बात यह है कि "मैंने यह किया और यह गलत था।" मुझे कल रात उस पर इस हद तक दबाव नहीं डालना चाहिए था कि वह क्रोधित हो जाए। यह गलत था। पहली बात जो आपको स्वीकार करनी होगी वह थी: "मैंने यह किया और यह गलत था।" यह स्वीकारोक्ति है कि यह गलत था।

अब, क्या कुछ लोगों को यह स्वीकार करने में कठिनाई होती है कि वे गलत थे? पश्चाताप का पहला चरण यह महसूस करना है कि मैंने जो किया वह सही नहीं था। अब दाऊद यह कहता है, हे परमेश्वर, अपने अटल प्रेम के अनुसार, अपनी महान करुणा के अनुसार मुझ पर दया कर, मेरे अपराध को मिटा दे, मेरे सारे अधर्म को धो दे, मुझे मेरे पाप से शुद्ध कर, क्योंकि मैं अपने अपराधों को जानता हूँ, मेरा पाप है। हमेशा मेरे सामने. मैं ने केवल तेरे और तेरे ही विरुद्ध पाप किया है, और वही किया है जो तेरी दृष्टि में बुरा है। ताकि तुम बोलो तो सही साबित हो। निश्चय ही मैं जन्म के समय पापी था।" फिर वह आगे बढ़ता है, यहीं पर यह सुंदर हो जाता है, "मुझे जूफे से शुद्ध करो और मैं शुद्ध हो जाऊंगा। मुझे धो दो और मैं बर्फ से भी अधिक सफेद हो जाऊँगा। हे भगवान, मेरे अंदर एक शुद्ध हृदय पैदा करो, और मेरे भीतर एक दृढ़ आत्मा का नवीनीकरण करो। मुझे अपने सामने से मत हटाओ और न ही अपनी पवित्र आत्मा मुझसे छीनो।"

अब, जब वह कहता है, "भगवान, कृपया अपनी पवित्र आत्मा मुझसे मत लो" तो संभवतः उसके मन में क्या चल रहा था? क्या हमने पवित्र आत्मा को दूसरे राजा से लेते देखा है? परमेश्वर की आत्मा दाऊद पर आने के लिये शाऊल से निकली। तो डेविड कह रहा है, "मुझे पता है कि मैंने गड़बड़ की है, लेकिन अपनी पवित्र आत्मा को मुझसे मत छीनो जैसे तुमने शाऊल के साथ किया था।" तो, "मैंने यह किया और यह गलत था।"

पश्चाताप का दूसरा स्तर है "मैंने यह किया, और इससे आपको दुख हुआ।" यह वह अवस्था है जब व्यक्ति को एहसास होता है कि उसने जो किया उससे वास्तव में दूसरे व्यक्ति को ठेस पहुंची है। हम एक अत्यंत अहंकारी समाज में रहते हैं जो "मैं" और "मैं" पर केंद्रित है। इसका मतलब यह है कि आपको खुद से बाहर निकलना होगा और करुणा के साथ यह महसूस करना होगा कि आपने

दूसरे व्यक्ति को कितना नुकसान पहुंचाया है। मैं एक ऐसे जोड़े को जानता हूँ जो तलाक के कगार पर हैं। यह लड़का अपनी पत्नी के पास जाता है जिससे वह प्यार करता है और उससे कहता है "मैं तुमसे प्यार करता हूँ।" उसने उसके साथ जो कुछ भी किया उसके बाद वह कहता है, "मैं अब भी तुमसे प्यार करता हूँ। मैं तुमसे प्यार करता हूँ और मैं तुम्हें बताना चाहता हूँ कि तुमने जो भी किया है मैं माफ कर दूंगा, मैं सिर्फ तुमसे प्यार करता हूँ। उसने उसकी ओर देखा और कहा, (उनकी शादी को पांच साल हो गए हैं) "मैं तुमसे प्यार नहीं करती, और असल में, मुझे यकीन नहीं है कि मैंने कभी तुमसे प्यार किया है।" प्रश्न: इससे उस आदमी पर क्या प्रभाव पड़ता है? दूसरे शब्दों में, यह सब उसके और उसकी खुशी के बारे में है। क्या उसे एहसास हुआ कि उसने उसके साथ क्या किया? समस्या यह है कि वह खुद से बाहर नहीं निकल सकती। तो उसने बस उसमें एक चाकू घोंप दिया और फिर भी ऐसा लगता है जैसे कभी कुछ हुआ ही नहीं क्योंकि उसके मन में खुद से बाहर कोई भावना नहीं थी क्योंकि वह पूरी तरह से खुद पर केंद्रित थी। इसे आत्ममुग्धता कहा जाता है, आप केवल अपने लिए महसूस कर सकते हैं। शादी में आपको यह महसूस करने में सक्षम होना होगा कि दूसरे व्यक्ति के साथ क्या हो रहा है, आपको खुद को उनके स्थान पर रखकर कहना होगा, "मुझे वास्तव में बहुत खेद है कि मैंने आपको इस तरह चोट पहुंचाई" वैसे, मान लीजिए कि आपने कुछ कहा है जैसे "मैंने तुमसे पहले कभी प्यार नहीं किया," उसके बाद आपको क्या करना चाहिए? क्या अब माफ़ी की ज़रूरत है? "वास्तव में मेरा इरादा तुम्हें ठेस पहुँचाने का नहीं था। मुझे क्षमा करें। मैंने जो कहा वह वास्तव में दुष्ट था।

तो सबसे पहले, "मैंने यह किया, यह गलत था," यह स्वीकार करते हुए कि आपने क्या किया, फिर "मैंने यह किया और इससे आपको दुख हुआ," दूसरे व्यक्ति की क्षति का एहसास करते हुए। लेकिन डेविड यहीं नहीं रुकता। डेविड कहते हैं, "जब मैं पैदा हुआ तभी से मैं पापी था।" दूसरे शब्दों में, डेविड कहते हैं कि यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे मैं बदलने जा रहा हूँ, ऐसा नहीं है, "ओह, मैंने कुछ गलत किया है, लेकिन मैं इसे दोबारा नहीं करूंगा।" अब डेविड कह रहा है, "नहीं, यह वह नहीं है जो मैंने किया, यह मैं हूँ। मेरा सम्पूर्ण अस्तित्व भ्रष्ट है। यह सिर्फ वही नहीं है जो मैंने किया, यह मेरे अस्तित्व के मूल में मैं हूँ, मैं अपने जन्म के समय से ही पापी हूँ।" यह "मैं पूर्णतः मैं" है। दूसरे शब्दों में, उरिय्याह की हत्या और बथशेबा को ले जाने का यह अनोखा कार्य, केवल एक

अलग कार्य नहीं है जो किया गया था। यह दर्शाता है कि मैं कौन हूँ, अपने अस्तित्व के मूल में, मैं मूल रूप से पापी हूँ। "मैं पूरी तरह से मैं।" यह तब होता है जब एक व्यक्ति को एहसास होता है कि पाप उनके अस्तित्व के मूल में कितना है।

आखिरी चरण जिसे मैं संक्षेप में देखना चाहता हूँ, डेविड भजन 51, श्लोक 4 में एक बयान देता है, "मैं जानता हूँ कि मेरा अपराध और मेरा पाप हमेशा मेरे सामने रहता है।" फिर डेविड यह बयान देता है, प्रश्न: क्या यह कथन हमेशा सत्य है? दाऊद कहता है, "मैंने केवल तेरे और तेरे ही विरुद्ध पाप किया है" (वह परमेश्वर से बात कर रहा है) "और वह किया है जो तेरी दृष्टि में बुरा है।" क्या वह कथन सत्य है. "हे परमेश्वर, मैंने और केवल तेरे ही विरुद्ध पाप किया है।" क्या वह सच है? मुझे नहीं लगता कि यह सच है. मैं यह नहीं कह रहा कि बाइबिल में कोई त्रुटि है। ये कविता है. क्या आपकी कविता में अतिशयोक्ति है? अतिशयोक्ति क्या है? यह जोर देने के बदले अतिशयोक्ति है, अतिशयोक्ति है। कविता में क्या आप एक समय में एक ही चीज़ पर ध्यान केंद्रित करते हैं और उसी एक चीज़ पर ध्यान केंद्रित करते हुए कविता में उसे सभी प्रकार के रूपक देते हैं। मुझे लगता है कि डेविड यहां भगवान के साथ अपने रिश्ते पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। वह ईश्वर पर इतना केंद्रित हो जाता है कि बाकी सभी चीज़ें छूट जाती हैं। अब क्या दाऊद ने ऊरिय्याह के विरुद्ध पाप किया है? उसने ऊरिय्याह को मार डाला था! क्या उसने बतशेबा को लेकर बतशेबा के विरुद्ध पाप किया था? उसने बतशेबा के विरुद्ध पाप किया था। लेकिन उसका ध्यान अब भगवान पर है, जब वह भगवान को देखता है तो बाकी सब कुछ फीका पड़ जाता है, इसलिए वह कहता है, "मैंने केवल आपके और आपके खिलाफ ही पाप किया है।" मुझे लगता है कि यह एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति है. मुझे नहीं लगता कि वह इस बात से इनकार कर रहा है कि उसने बतशेबा को चोट पहुंचाई है, हम देखते हैं कि बच्चा मर जाता है और उरिय्याह मर जाता है। मुझे नहीं लगता कि वह इसे कम महत्व दे रहा है, लेकिन वह भगवान के साथ अपने रिश्ते पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति है. यह अतिशयोक्ति है जिसका उद्देश्य यह दिखाना नहीं है कि उसने उरिय्याह के साथ जो किया वह उसे कम महत्व दे रहा है। यह वह अवस्था है जब व्यक्ति को यह एहसास होता है कि उसका पाप ईश्वर के साथ उसके रिश्ते को प्रभावित करता है। तो पश्चाताप के विभिन्न चरण हैं।

मैं इसका एक उदाहरण देता हूँ. एक बार हम लगभग तीन सौ या चार सौ लोगों के चर्च में

गये। मेरे पूर्व छात्रों में से एक, जिन्हें मैंने मदरसा/कॉलेज के संदर्भ में भजन की पुस्तक पढ़ाई थी, इस चर्च का पादरी था। उनके पास पांच बच्चों वाली एक अद्भुत पत्नी थी, छोटे बच्चे, शायद सभी दस वर्ष से कम उम्र के, और एक अद्भुत पत्नी थी। हम चर्च जाते थे और वह उपदेश देते थे। वह एक अच्छे उपदेशक थे, इसलिए हर हफ्ते हम जाते थे और उनका उपदेश सुनते थे। एक सप्ताह उन्होंने उसे चर्च सेक्रेटरी के साथ चक्कर में पकड़ लिया। अब यह एक समस्या है। फिर वह चर्च के सामने उठा और बड़े आंसुओं के साथ उसने अपने किए को स्वीकार किया और चर्च के सामने पश्चाताप किया। वैसे, क्या आंसुओं का मतलब हमेशा पश्चाताप होता है? नहीं, मैंने अपने सबसे अच्छे दोस्तों में से एक को रोते हुए देखा और यह पश्चाताप नहीं था। सावधान रहें, आंसुओं का इस्तेमाल भ्रामक तरीके से किया जा सकता है। अब मुझे लगता है कि इस मामले में यह वैध था, वह पकड़ा गया, उसने चर्च के सामने अपना पाप कबूल किया, वह रोया और चर्च ने उसे गले लगा लिया। लगभग दो सप्ताह बाद उन्होंने कहा, ठीक है, अब यह खत्म हो गया है, मैं दोबारा ऐसा नहीं करूंगा, मैं उठना चाहता हूँ और फिर से प्रचार करना शुरू करना चाहता हूँ। आप क्या सोचते हैं?

पश्चाताप के विभिन्न स्तर हैं। पकड़े जाने पर उसे पश्चाताप हुआ, लेकिन जब हम पश्चाताप की बात करते हैं तो क्या उसे अपनी पत्नी के साथ दोबारा संबंध स्थापित करना होगा? क्या वह दो सप्ताह में पुनः स्थापित हो जाता है? भरोसा रखें, भरोसा तोड़ने में आपको कितना समय लगता है? एक झटके में। आपको विश्वास पुनः स्थापित करने में कितना समय लगता है? बहुत *समय*। प्रश्न: क्या उसके पास अपने बच्चों और अपनी पत्नी से बात करने के लिए सभी प्रकार की चीज़ें हैं? चर्च को एहसास हुआ कि इस आदमी को पता ही नहीं है कि उसने क्या किया। दो सप्ताह के बाद वापस उठना और प्रचार करना? चर्च अच्छा था, इसने उसके साथ लगभग एक या दो साल तक काम किया। मुझे लगता है कि बाद में वह जीवन बीमा या कार बेचने या ऐसा ही कुछ करने में लग गया। वैसे भी, उसे पहले अपनी पत्नी के साथ अपना रिश्ता वापस लाने की ज़रूरत थी और इसमें समय लगता है।

अब, मैं व्यक्तिगत रूप से आहत था क्योंकि मैंने उसे डेविड और बाथशेबा के बारे में यह अंश पढ़ाया था! यह ऐसा है जैसे, मैंने वह सिखाया, तुमने वह क्यों नहीं सीखा? इसलिए मैं उसे जज करने के लिए तैयार हूँ।' प्रश्न: क्या मैं इसी तरह उसके साथ आया था? जवाब न है। अब मैं आपको

"एक कदम" सिद्धांत दिखाने जा रहा हूँ। यह यहां मोर्चे पर वास्तव में अच्छी तरह से काम करता है। यदि मैं यहाँ किनारे पर हूँ, यदि मैं केवल आधा इंच भी जाऊँ तो क्या मैं अपने सिर के बल गिर सकता हूँ क्योंकि यहाँ एक सीढ़ी है। बस आधे इंच से कम की ज़रूरत है और मैं नीचे हूँ। मैं एक कदम सिद्धांत का उपयोग करता हूँ जो कहता है "भगवान की कृपा के लिए मैं वहां जाऊंगा।" मैं यह कहने की स्थिति में नहीं हूँ, "अरे यार, तुमने भगवान के सामने पाप किया है, इन सभी लोगों को देखो जो अब गड़बड़ हो गए हैं।" मैं उंगली उठाने वाला व्यक्ति नहीं हूँ क्योंकि मेरे साथ भी ऐसा हो सकता था, "भगवान की कृपा के लिए मैं वहां जाता हूँ।" एक कदम और मैं मुँह के बल गिर जाता हूँ। इसलिए मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि जब आपको ऐसे लोग मिलें जो पश्चाताप कर रहे हों, तो निर्णय लेने में सावधानी बरतें। यीशु ने इसे सबसे अच्छा कहा, "वह जो पूर्ण है वह पहला पत्थर फेंकता है।" जब कोई व्यक्ति पाप में गिर जाता है तो क्या सभी समुदायों में से ईसाई समुदाय को सबसे अधिक दयालु होना चाहिए? अब, वैसे, क्या इसका मतलब यह है कि हम पाप क्षमा करते हैं? नहीं, उसके साथ लंबे समय तक काम करने की ज़रूरत थी क्योंकि उसने अपनी पत्नी और बच्चों के साथ अपने रिश्ते को फिर से स्थापित कर लिया था। मैं बस इतना कह रहा हूँ कि इन क्षेत्रों में सावधान रहें।

इसलिए डेविड हमें पश्चाताप का एक महान उदाहरण देता है। शुद्ध करने की शक्ति: "मुझे जूफा से शुद्ध करो और मैं शुद्ध हो जाऊंगा।" क्या आपने कभी पाप किया है और उसकी गंदगी महसूस की है? "मुझे जूफा से साफ करो और मैं शुद्ध हो जाऊंगा, मुझे धोओ और मैं बर्फ से भी अधिक सफेद हो जाऊंगा।" सुन्दर अंश. "हे भगवान, मुझमें एक शुद्ध हृदय पैदा करो।" अद्भुत कथनों के गीत आप आज भी चर्च में गाते हैं। "और मुझमें दृढ़ आत्मा का नवीनीकरण करो।"

क्या ईश्वर ऐसे व्यक्ति का उपयोग कर सकता है जिसने अनैतिकता की हो? क्या ईश्वर दाऊद जैसे व्यक्ति का उपयोग कर सकता है जिसने हत्या की है? मुझे लगता है कि जवाब हां है। डेविड ने यह भजन लिखा है, क्या उसने इसे बतशेबा के साथ अपने संबंध के पहले या बाद में लिखा है? डेविड ने बतशेबा के साथ अपने पाप के बाद धर्मग्रंथ, भजन 51 लिखा, जो वास्तव में उसके सबसे अच्छे भजनों में से एक है। वह एक टूटा हुआ आदमी है और वह भगवान से क्षमा के लिए प्रार्थना कर रहा है। ईमानदारी से कहूं तो मैं अधिकतम सुरक्षा वाली जेल में काम करता था, जिन

लोगों को मैं जानता हूँ उनमें से बहुत से लोग हत्यारे हैं। मैं आज बस क्रिस के बारे में सोच रहा था। वह 25, 30 साल तक जेल में रहा होगा। जब वह 19 साल के थे तो उन्होंने किसी की हत्या कर दी थी। वह अब जेल से बाहर है, वह अद्भुत तरीके से भगवान का काम कर रहा है। क्या ईश्वर ऐसे व्यक्ति का उपयोग कर सकता है जो हत्यारा है? यह आदमी 25 साल से जेल में है और अब वह बड़ा हो गया है और बच्चों की मदद कर रहा है। मैंने इसे बार-बार घटित होते देखा है। जिन लोगों को मैं सबसे अधिक पसंद करता हूँ उनमें से एक एलन नैस्क्यू थे। गैरी इंडियाना में हर कोई इस आदमी को जानता था। आप इसका नाम बताएं, उसने इसे बेचा और ड्रग्स लिया। वह जेल में था। मैं अपने जीवन में अब तक मिले सबसे धर्मनिष्ठ साथियों में से एक डीलर था। वह सुबह 5 बजे उठता था और अपनी टॉयलेट सीट के पास होता था। मैं जेल के विवरण में नहीं जाना चाहता। वह अपने घुटनों पर है और दूसरे लोगों को लगा कि वह कुछ सूँघ रहा है, वे उसका मज़ाक उड़ाते थे, लेकिन वह प्रार्थना कर रहा था। मैं जो कह रहा हूँ वह यह है कि सावधान रहें, भगवान बड़े, बड़े पापों के बाद भी लोगों का उपयोग कर सकते हैं। वह टूटे-फूटे या टूटे-फूटे कपड़ों का उपयोग करने में आनंद महसूस करता है।

मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि आप में से कुछ लोग अपने जीवन के दौरान गलत काम करेंगे और महसूस करेंगे कि आप मुक्ति से परे हैं और आपने जो किया उसके कारण भगवान अब आपका उपयोग नहीं कर सकता है। यह सच नहीं है। भगवान टूटे हुए बर्तनों का उपयोग करते हैं। भगवान मुक्ति की प्रक्रिया में है। वह टूटी हुई चीज़ें उठाता है और उन्हें ठीक करता है! और वह हम हैं।

क्या शिशु स्वर्ग में जाते हैं?

डेविड पर वापस: क्या बच्चे स्वर्ग जाते हैं? अब यह प्रश्न 2 शमूएल अध्याय 12 में आता है। सात दिन के बाद बच्चा मर जाता है। क्या शिशु स्वर्ग में जाते हैं? अध्याय 12, पद 23, “परन्तु अब जब वह मर गया है, तो मैं क्यों उपवास करूँ, क्या मैं उसे फिर जीवित कर सकता हूँ? मैं उसके पास जाऊँगा लेकिन वह मेरे पास वापस नहीं आएगा।” अब क्या इसका मतलब यह है कि बच्चे के मरने के बाद डेविड भी मरने वाला है? प्रश्न यह है कि बाइबल मरने वाले शिशुओं के बारे में क्या कहती है? क्या बाइबिल में कहीं ऐसा है जहां यह कहा गया है कि बच्चे स्वर्ग जाते हैं? बाइबल में

ऐसा कहीं नहीं है जो बताता हो कि शिशुओं के साथ क्या होता है। यह धर्मग्रंथ में मौजूद नहीं है। प्रश्न: डेविड के समय में क्या यह वास्तव में एक महत्वपूर्ण प्रश्न होगा? क्या तब उन्होंने बहुत सारे बच्चे खोये थे?

क्या अब हम बहुत सारे बच्चे खो देते हैं? एक समय की बात है मेरे तीन बच्चे थे। मेरी पत्नी चौथे बच्चे से गर्भवती हुई। हम आर्थिक या भावनात्मक रूप से तैयार नहीं थे क्योंकि हमारे तीन छोटे बच्चे थे और हमें नहीं पता था कि हम इसे संभाल पाएंगे या नहीं। उठने की कोशिश करने में कई हफ्ते लग गए क्योंकि जब हमने दूसरे बच्चों को बताया कि हम वास्तव में उत्साहित होना चाहते हैं। अंततः, हम इसके लिए तैयार हुए और हम बच्चों को यह बताने के लिए तैयार थे कि उन्हें एक छोटा भाई या बहन मिलने वाला है और हम इसके लिए तैयार हैं और यह अच्छा है। मैं बाथरूम में गया और यह किसी स्लेशर फिल्म जैसा लग रहा था। हर जगह खून था। मेरी पत्नी सफ़ेद गाउन में थी, वो पूरा लाल था। मैंने उसे उठाया। मैं कार के पास भागा। मुझे नहीं लगता कि मैंने अपने पूरे जीवन में कभी इतनी तेज़ गाड़ी चलाई है, मैंने बस गैस पेडल मारा और हम अस्पताल में थे। यह सचमुच डरावना था, वह एक भूत की तरह सफ़ेद थी। मैं अस्पताल में प्रवेश करता हूँ, मैं भी ढंका हुआ हूँ, आपातकालीन कक्ष में बैठा हूँ और अचानक मैंने लाउड स्पीकर पर सुना "महत्वपूर्ण संकेत अस्थिर हैं।" मैंने लैटिन भाषा ली, इसलिए मुझे पता था कि "महत्वपूर्ण" का मतलब "जीवन" है! "महत्वपूर्ण संकेत अस्थिर" का अर्थ है, पवित्र गाय - क्या वह मरने वाली है? मुझे नहीं पता था कि किसी का इतनी जल्दी इतना खून बह सकता है। क्या हुआ। भगवान ने उसे बचा लिया और उन्होंने ढेर सारा खून उसमें डाल दिया, लेकिन कहानी छोटी है। मैं जो कह रहा हूँ, क्या मेरे लिए यह जानना वाकई महत्वपूर्ण है कि शिशुओं के साथ क्या होता है? मैंने अक्सर सोचा है कि जब मैं स्वर्ग जाऊंगा तो कोई बच्चा आएगा और ऐसा कहेगा, "अरे, बूढ़े आदमी! मैं तुम्हारा इंतज़ार कर रहा था, तुम्हें इतनी देर क्यों लग गई?" ऐसे शिशुओं का क्या होता है?

अब मैं इसका एक और पहलू बताना चाहता हूँ और यह मेरी ओर से पूरी तरह से अनुमान है। अब, कुछ लोग इस तरह तर्क देते हैं: आदम के पाप के कारण सभी मनुष्य पापी हैं, "आदम का पाप सारी मानवजाति पर आता है" (रोमियों अध्याय 5)। बच्चे इंसान हैं। अतः सभी मनुष्य आदम के पाप के द्वारा पाप प्राप्त करते हैं। शिशु मानव हैं और इसलिए शिशु पापी हैं। खैर पापियों का क्या

होता है? ठीक है, यदि आप मैसाचुसेट्स में हैं तो कुछ भी नहीं क्योंकि मैसाचुसेट्स में हर कोई स्वर्ग जाता है। पवित्रशास्त्र में अन्य स्थानों पर यह कहा गया है कि पाप की मजदूरी मृत्यु है। इसलिए सभी पापियों को शाश्वत दंड का सामना करना होगा जब तक कि वे विश्वास न करें। लेकिन एक बच्चा कैसे विश्वास करता है? एक बच्चा यह भी नहीं समझ सकता कि आप क्या कह रहे हैं? इसलिए तर्क की इस पंक्ति का उपयोग करके कुछ लोग यह निष्कर्ष निकालेंगे कि शिशु ऐसा नहीं कर पाते हैं। वे यीशु को कभी स्वीकार नहीं करते, इसलिए वे ऐसा नहीं करते। कुछ लोग इसी तरह बहस करते हैं।

अब मैं अलग तरीके से बहस करना चाहता हूँ. यशायाह अध्याय 7 श्लोक 15 में, अब याद रखें, पवित्रशास्त्र में कहीं भी यह नहीं कहा गया है कि बच्चे ऐसा करते हैं। लेकिन यशायाह अध्याय 7 श्लोक 15 में यह कहा गया है और यह एक काफी प्रसिद्ध मार्ग है, "इसलिये प्रभु आप ही तुम्हें एक चिन्ह देगा, कि एक कुंवारी गर्भवती होगी" (यह परिचित लगता है, है न)। "वह एक बेटे को जन्म देगी और तुम उसका नाम इमैनुएल रखोगे।" इसे नए नियम में यीशु के सन्दर्भ में उद्धृत किया गया है। "वह दही और शहद तभी खाएगा जब वह गलत को अस्वीकार करने और सही को चुनने के लिए पर्याप्त जान जाएगा।" तो क्या यह कहने की कोशिश की जा रही है कि जब एक बच्चा एक निश्चित बिंदु पर पहुंच जाएगा, "दही और शहद खाना", तो बच्चा पहचान जाएगा कि क्या सही है और क्या गलत है। कुछ लोग इसका उपयोग यह कहने के लिए करते हैं कि जवाबदेही का युग है। उस बिंदु से पहले बच्चे को यह एहसास नहीं होता है कि वह पाप कर रहा है या नहीं, बच्चा एक बच्चा है। लेकिन एक निश्चित बिंदु पर, वैसे, वह बिंदु प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग-अलग होगा - यह सिर्फ "दो साल की उम्र में आप जवाबदेह नहीं हैं", बच्चे वास्तव में भिन्न होते हैं। कुछ बच्चों को सही-गलत पहले पता चल जाता है, कुछ को बाद में पता चल जाता है, कुछ को 15 या 16 साल की उम्र तक इंतजार करना होगा जब तक कि उन्हें यह जागरूकता न आ जाए।

अब सवाल यह है कि, जब डेविड कहता है, "जब से मेरी माँ ने मुझे जन्म दिया तब से मैं पापी था," क्या वह काव्यात्मक भाषा है? क्या वह अतिशयोक्ति है? मैं कविता को आवश्यक रूप से एक सैद्धान्तिक कथन के रूप में धकेलना नहीं चाहता। इसलिए मुझे लगता है कि आपको ऐसा करने में सावधानी बरतनी चाहिए।

एक और पद जो मेरे लिए उपयोगी रहा है वह उत्पत्ति 18:25 में यह दूसरा पद है, "क्या सारी

पृथ्वी का न्यायी ठीक काम न करेगा?" अंततः कॉल कौन करता है? भगवान बुलाता है. भगवान वही करेंगे जो सही है। तो शायद मैं नहीं जानता, लेकिन मुझे उस पर भरोसा है।

लेकिन सवाल उठता है: भगवान हमें यह क्यों नहीं बताते कि शिशुओं के साथ क्या होता है? यह मेरे लिए वास्तव में एक महत्वपूर्ण प्रश्न है, और सच कहूँ तो, डेविड के लिए भी यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न रहा होगा। मैं एक कारण बनाने जा रहा हूँ. मैं इसे बना रहा हूँ, बाइबल हमें यह नहीं बताती है। मान लीजिए कि भगवान ने कहा कि दो साल की उम्र से पहले के सभी शिशु निर्दोष हैं और इसलिए स्वचालित रूप से स्वर्ग चले जाते हैं और भगवान ने बाइबिल में ऐसा कहा है। लोग क्या करेंगे? क्या लोग बच्चों को मार डालेंगे? क्या कई संस्कृतियों ने वैसे भी शिशुओं को मार डाला है? अब उनके पास ऐसा करने का तर्क होगा। क्या ईसाई बच्चों को मार देंगे यदि वे जानते हैं कि दो वर्ष की आयु से पहले सभी बच्चे स्वर्ग जाएंगे? क्या ईसाई लोग इस्लामी देशों में जाएंगे (मुझे लगता है कि वे इसे धर्मयुद्ध कहते थे) और शिशुओं को मार देंगे? गर्भपात क्लीनिक "सामूहिक प्रचार" होगा, है ना? यह गर्भपात क्लीनिकों को मंजूरी दे देगा क्योंकि वे इन सभी शिशुओं को स्वर्ग भेज देंगे। तो मैं जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि भगवान हमें यह नहीं बताते कि वे स्वर्ग जाएंगे या नहीं क्योंकि वह नहीं चाहते कि हम ऐसा करें और वह जानते हैं कि हम भ्रष्ट हैं और इस तरह की चीजें होंगी। अब, क्या मुझे कोई अंदाज़ा है कि भगवान ऐसा क्यों करता है? मेरे पास कोई सुराग नहीं है, मैंने इसे बना लिया है। मैं बस आपके साथ ईमानदार रहना चाहता हूँ। यह मेरे लिए समझ में आता है लेकिन आपको सावधान रहना होगा, भगवान जानता है कि वह ऐसी चीजें क्यों करता है। भगवान हमें बता सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं करने का फैसला किया। मुझे आश्चर्य है कि क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि मानव हृदय इतना भ्रष्ट है कि वह जानता था कि हम अंततः शिशुओं की हत्या कर देंगे। लेकिन वहां बड़ा सवालिया निशान है, हिल्डेब्रांट ने इसे अभी बनाया है।

डेविड का लोगों को नंबर देना

चलिए डेविड के साथ आगे बढ़ते रहें। अध्याय 24 में दाऊद द्वारा किया गया एक और पाप कहता है, "यहोवा का क्रोध इस्राएल पर फिर भड़क उठा, और उस ने दाऊद को यह कहकर भड़काया, 'जाओ इस्राएल और यहूदा की जनगणना करो।'" इसलिए दाऊद ने लोगों की गिनती करने के लिए योआब को भेजा। मेरे लिए दिलचस्प बात यह है कि यदि आप 1 इतिहास अध्याय 21

के दूसरे पद को देखें। हमने इतिहास के साथ बहुत कुछ नहीं किया है, लेकिन इतिहास राजाओं के समानांतर है। वहां यह कहा गया है, "शैतान इस्राएल के विरुद्ध उठ खड़ा हुआ और उसने दाऊद को जनगणना कराने के लिए उकसाया।" राजाओं में दाऊद को जनगणना के लिए किसने उकसाया? ईश्वर। इतिहास में, दाऊद को लोगों की गिनती करने के लिए किसने उकसाया? शैतान। क्या आप देखते हैं, एकेश्वरवादी होने के नाते हमें कोई समस्या है? हमारे पास एक ईश्वर है जो हर चीज़ पर है। क्या ईश्वर अच्छे और बुरे से ऊपर है? क्या बुराई ईश्वर के नियंत्रण से बाहर है? नहीं, हमारे पास एक ही संप्रभु परमेश्वर है, वह हर चीज़ पर राजा है। क्या यहाँ भगवान है और यहाँ शैतान है। क्या बाइबल इसे इसी तरह चित्रित करती है? नहीं, शैतान परमेश्वर के अधीन है।

अय्यूब की पुस्तक में, क्या आप कह सकते हैं कि परमेश्वर ने अय्यूब के साथ ऐसा किया? हाँ, आप ऐसा कह सकते हैं, लेकिन क्या शैतान ने अय्यूब के साथ ऐसा किया? परमेश्वर ने शैतान को ऐसा करने की अनुमति दी थी। मुझे लगता है कि आपको यहां भी यही मिलता है। परमेश्वर इस्राएल का न्याय करने जा रहा है, लेकिन वह जो करता है वह यह है कि वह शैतान को अनुमति देता है कि वह दाऊद से लोगों की गिनती करवाए ताकि उनका न्याय किया जा सके। इसलिये परमेश्वर उन पर न्याय करनेवाला है; वह निर्णय लाने के लिए शैतान का उपयोग करता है। इसलिए शैतान को परमेश्वर के आदेश के एक उपकरण के रूप में उपयोग किया जा रहा है। अब शैतान बुराई करने की कोशिश कर रहा है और भगवान उसके साथ अच्छा करने की कोशिश कर रहा है।

डेविड 2 सैमुअल अध्याय 24 श्लोक 10 में स्वीकार करता है कि यह उसकी ओर से पाप था। और उस ने उन योद्धाओंको गिन लिया, और यहोवा से कहा, जो कुछ मैं ने किया है, उस से मैं ने बड़ा पाप किया है। दाऊद परमेश्वर के हृदय के अनुसार व्यक्ति क्यों है? क्योंकि वह अपना पाप स्वीकार करता है। वह पश्चाताप करता है और वह ईश्वर की ओर लौटता रहता है, भले ही उसने कुछ बहुत बुरे काम किए हों। वह भगवान की ओर लौटता है, पश्चाताप करता है।

भगवान उसे तीन विकल्प देते हैं: आपको तीन साल का अकाल मिला है, या आपको अपने दुश्मनों से तीन महीने भागने का मौका मिला है, या आपको तीन दिनों की प्लेग का सामना करना पड़ा है। डेविड उसे देखता है और कहता है, "प्लेग में कौन शामिल है? यदि प्लेग आता है, तो यह भगवान है। इसलिए यदि यह भगवान है, तो शायद मैं भगवान से प्रार्थना कर सकता हूँ और भगवान

मेरे लोगों को बख्श देंगे। शायद भगवान हम पर दयालु होंगे। इसलिए मैं प्लेग के तीन दिन चुनने जा रहा हूँ।" क्या शत्रुओं पर तीन महीने पहले ही रहम हो जायेंगे? शायद नहीं, लेकिन इसमें भगवान का हाथ है।

यह देवदूत मूल रूप से खड़ा है और लोगों को मार रहा है और डेविड प्रार्थना करता है। लेकिन फिर क्या होता है। यह स्वर्गदूत यबूसी अरौना के खलिहान में से लोगों को घात कर रहा है। दाऊद ने इस स्वर्गदूत को अरौना के खलिहान से लोगों को मारते हुए देखा। परमेश्वर ने दाऊद से कहा, "अरौना का खलिहान मोल ले।" अब जब मैं कहता हूँ, थ्रेशिंग फ्लोर, तो थ्रेशिंग फ्लोर ऊंचा होता है या नीचा। यह पहाड़ की चोटी पर है। अरौना का यह खलिहान एक समतल क्षेत्र है जहाँ वे ऊँचे स्थान पर अपनी मड़ाई करते थे। लोगों का न्याय करने का यह स्थान वही स्थान होगा जहाँ भगवान अपना मंदिर स्थापित करने के लिए चुनेंगे। दाऊद ने अरौना से खलिहान मोल लिया, सुलैमान वहीं मन्दिर बनवाएगा। न्याय का स्थान ही आशीर्वाद का स्थान बन जाता है, जहाँ ईश्वर की उपस्थिति पाई जाती है। यह एक प्रकार का बढ़िया उलटफेर है जो आप पवित्रशास्त्र में पाते हैं।

विद्यार्थी : क्या डेविड के पाप के लिए लोगों का न्याय किया जा रहा है?

प्रतिक्रिया : नहीं, परमेश्वर वैसे भी लोगों को दंडित करने जा रहा था क्योंकि उन्होंने पाप किया था और वह दाऊद द्वारा किए गए पाप का उपयोग लोगों का न्याय करने के साधन के रूप में करता है। इसलिए यहां कई कारक हैं, लोगों का न्याय उनके पापों के लिए किया जाता है लेकिन न्याय का साधन इन विपत्तियों के माध्यम से आता है। तो यह वहां थोड़ा मुश्किल है।

राजा के रूप में सुलैमान की स्थापना

डेविड का सोलोमन नाम का एक बेटा है। आइए हम दाऊद के पुत्र सुलैमान के पास जाएँ। सुलैमान के अधीन राज्य में चीजें अच्छी चल रही थीं। क्या आपने देखा कि मैंने इसके चारों ओर बुलबुले लगा दिए हैं। यह सुलैमान है। यह राज्य का उत्साहपूर्ण समय है जब चीजें अच्छी चल रही हैं। 1 राजा अध्याय 1-11 सुलैमान की कहानी है। उसका असली नाम *श्लोमो* है, लेकिन अगर आप *श्लोमो* कहते हैं तो लोग सोचते हैं कि आप कुछ बुरा कर रहे हैं। अब हम "श्लोमो" में कौन सा हिब्रू शब्द सुनते हैं? *शालोम*. सुलैमान के नाम का अर्थ है *शालोम* "शांति।" दाऊद को मंदिर बनाने की अनुमति क्यों नहीं दी गई? हमने इतिहास नहीं पढ़ा, लेकिन इतिहास हमें बताता है कि डेविड एक

खूनी आदमी था। और भगवान कहते हैं, "दाऊद तुम मेरा मंदिर नहीं बना सकते," लेकिन दाऊद ने सुलैमान के लिए बहुत सारा सोना और चांदी जमा किया। इसलिये दाऊद ने अरौना का खलिहान मोल लिया। दाऊद ने स्थापना की, बचत की और ये महान प्रावधान किए ताकि सुलैमान मंदिर का निर्माण कर सके। सुलैमान स्वयं भी धनवान था। शाऊल-डेविड-सोलोमन के इस काल को "संयुक्त राजशाही" कहा जाता है। यह तब है जब इस्राएल शाऊल, फिर दाऊद के अधीन एक होकर एकजुट हो गया है। इस कोर्स में सीखने के लिए चार तिथियां हैं। डेविड की तिथि 1000 ईसा पूर्व है, इब्राहीम 2000 ईसा पूर्व था और सोलोमन डेविड के 40 वर्ष बाद आता है। सुलैमान दाऊद का पुत्र है। इन तीन राजाओं के अधीन इज़राइल एकजुट था, यह अभी तक उत्तरी इज़राइल और दक्षिणी यहूदा में विभाजित नहीं हुआ था। एक बार जब सुलैमान आता है, तो सुलैमान अपने जीवन के अंत में कुछ बहुत ही घटिया चीजें करता है और राज्य उत्तर और दक्षिण में विभाजित होने जा रहा है। तो आपके पास उत्तर में इज़राइल और दक्षिण में यहूदा होगा। राज्य वास्तव में उत्तर और दक्षिण को विभाजित कर देगा।

तो, आइए सुलैमान और सत्ता के इस परिवर्तन के बारे में बात करें। 1 किंग्स अध्याय 1 में यहीं से हम अदोनिजा की सिंहासन के लिए बोली को देखना शुरू करते हैं। अदोनिव्याह सुलैमान का बड़ा भाई था, वास्तव में हमें उसके बारे में यह कथन मिलता है, "अब अदोनिव्याह, जिसकी माँ हाग्गिथ थी, ने स्वयं को आगे रखा और कहा 'मैं राजा बनूँगा।' इसलिए उसने रथ और घोड़े तैयार किये और लगभग 50 आदमी अपने आगे चलने के लिये तैयार किये।" फिर यह डेविड के बारे में यह टिप्पणी करता है, "उसके पिता ने कभी भी उससे यह पूछकर हस्तक्षेप नहीं किया कि 'तुम ऐसा व्यवहार क्यों करते हो।' वह भी बहुत सुन्दर था और अबशालोम के बगल में पैदा हुआ था।" यदि आप राजा बनना चाहते हैं तो क्या सुन्दर बनने से मदद मिलती है? हाँ। यह इंगित करता है कि यह लड़का वास्तव में सुंदर है। और यह कहता है, "उसके पिता ने कभी भी उसके साथ हस्तक्षेप नहीं किया।" क्या अपने बच्चे को अनुशासित करना पिता की भूमिकाओं में से एक है? डेविड ने उससे कभी नहीं पूछा "तुम ऐसा क्यों कर रहे हो?" वह वास्तव में इस बच्चे के साथ कभी हस्तक्षेप नहीं करता या उसे अनुशासित नहीं करता।

अब मुझे इसे भौगोलिक दृष्टि से भी स्थापित करने दीजिए। तुम लोग दाऊद का नगर बनने

जा रहे हो। यह यरूशलेम है। आप लोग यहाँ जैतून पर्वत हैं। माउंट ऑफ ऑलिव्स लगभग 2700 फीट ऊंचा है। एक घाटी है, किड्रोन घाटी, जो जैतून पर्वत और डेविड शहर के बीच जाती है। यह मृत सागर में चला जाता है। यहाँ एक और घाटी है जिसे सेंट्रल वैली कहा जाता है और पश्चिम में एक घाटी है जिसे हिन्नोम वैली कहा जाता है। दो झरने हैं, एन-रोजेल (एनका मतलब रोजेल का "वसंत") है। इसलिए अदोनियाह यरूशलेम से आता है, वह अपने लड़कों और अपने रथों को लेता है और एन-रोगेल में आता है जहाँ वह खुद को राजा घोषित करने जा रहा है। दाऊद सुलैमान को ले जाता है और तुम लोग जानते हो कि दूसरा वसंत कहाँ है। यह शहर के करीब है। यह "गिहोन" वसंत है। क्या किसी को हिजकियाह की सुरंग और *जेरूसलम में खो जाओ* कार्यक्रम याद है। होता यह है कि दाऊद शहर के ठीक बगल में सुलैमान की घोषणा करने जा रहा है, अदोनियाह बहुत दूर है। इसलिए भूगोल सुलैमान के पक्ष में काम करता है।

लेकिन अब देखते हैं क्या होता है। सबसे पहले, डेविड को नहीं पता कि क्या हो रहा है। 1 किंग्स 1 में डेविड इससे बाहर है। वह बूढ़ा आदमी है, वह इतना बूढ़ा है कि उसे गर्मी नहीं मिलती। तो वे इस महिला, अबीशग को ढूँढते हैं, जो एक सुंदर, भव्य युवा महिला है। वह डेविड के साथ सोती है, यौन संबंध बनाने के लिए नहीं, बल्कि मूल रूप से उसे गर्म रखने के लिए। तो होता यह है कि नाथन बतशेबा के पास जाता है और कहता है, "दाऊद इससे बाहर है, क्या दाऊद ने नहीं कहा था कि सुलैमान को अगला राजा होना चाहिए? खैर, अदोनियाह यहाँ स्वयं को राजा बना रहा है।" इसलिए बतशेबा और नाथन ने यह साजिश रची। डेविड वहाँ से बाहर है और बतशेबा सुलैमान के लिए चीजें सुरक्षित करने के लिए डेविड से बात करने के लिए अंदर जाती है। तो मुझे अध्याय 1 श्लोक 31 पढ़ने दीजिए, यह कहता है, "और बतशेबा ने राजा के सामने घुटने टेककर अपना मुंह भूमि पर झुकाया और कहा, 'मेरा प्रभु, राजा दाऊद सर्वदा जीवित रहे'... और दाऊद ने कहा, 'सादोक को बुलाओ।' और नातान भविष्यद्वक्ता, और बेन्याह, और यहूदा, और मेरा अपना खच्चर ले लो।" उसका शाही खच्चर ले आओ। इसलिए वह सुलैमान को शाही खच्चर पर बिठाने जा रहा है। आप शाही खच्चर पर सवार होकर शहर में आते हैं, इसका मतलब है कि आप राजा हैं। मुझे दूसरे राजा के बारे में बताएं जो खच्चर पर सवार होकर शहर में प्रवेश करेगा और राजा बनेगा: यीशु, विजयी प्रवेश में। जब यीशु प्रवेश करते हैं तो वह गधे पर सवार होकर प्रवेश करते हैं और

लोग चिल्लाते हैं "होस्त्रा, होस्त्रा।" तो सुलैमान इस गधे, इस शाही खच्चर पर सवारी करने जा रहा है। सुलैमान को राजा घोषित किया जाने वाला है। सुलैमान बतशेबा का पुत्र है।

सुलैमान के साथ कठिनाई

जैसा कि मैंने 1 किंग्स 1-11 का अध्ययन किया है, मैं वास्तव में सुलैमान में हूँ। मैं पूरी बाइबिल पढ़ाता हूँ लेकिन सोलोमन वास्तव में नीतिवचन वास्तव में मेरी विशेषज्ञता का क्षेत्र है। अब मैंने सोलोमन का बहुत अध्ययन किया है और इसने मुझे बार-बार परेशान किया है और आखिरकार मैं इसके बारे में बात कर रहा हूँ। 1 राजा 1-11 में, सुलैमान शायद ही कभी बोलता है। सुलैमान स्वयं शायद ही कभी बोलता है सिवाय इसके कि जब वह आधिकारिक बोल रहा हो, राजा के रूप में बोल रहा हो या ऐसा कुछ बोल रहा हो। इसने मुझे वर्षों तक परेशान किया है। जब आप डेविड के बारे में पढ़ते हैं, तो क्या आप डेविड के दिल के बारे में सीखते हैं? जब आप डेविड और जोनाथन के बारे में कहानियाँ पढ़ते हैं, तो क्या आप डेविड के दिल के बारे में सीखते हैं? जब आप भजन पढ़ते हैं, तो क्या आप दाऊद के हृदय के बारे में सीखते हैं? आप थोड़ी देर के लिए डेविड का अध्ययन करें और मुझे ऐसा लगता है कि मैं डेविड को वास्तव में अच्छी तरह से जानता हूँ क्योंकि मैंने उसका दिल देखा है। मैंने उसका उतार-चढ़ाव देखा है, मैंने देखा है कि वह चीजों पर कैसे प्रतिक्रिया देता है। सोलोमन के साथ, मैंने उसके बारे में बहुत अधिक अध्ययन किया है और मुझे ऐसा लगता है कि मैं उसे नहीं जानता। सुलैमान कहाँ है? वह कथा में कभी बहुत अधिक नहीं बोलता; लोग हमेशा उसके बारे में बोलते रहते हैं। जब वह बोलता है तो वह हमेशा "राजा के रूप में" बोलता है और प्रार्थना करता है, व्यक्तिगत रूप से नहीं। इसलिए यह मुझे परेशान करता है और मैं बाद में इस पर वापस आना चाहता हूँ कि सोलोमन कथा से इतनी दूर क्यों है।

असल में, जब सुलैमान को राजा बनाया गया, तो क्या सुलैमान ने ऐसी कोई साजिश रची? क्या सुलैमान स्वयं राजा बनने की योजना बना रहा है? नहीं, सारी साजिश नाथन और बतशेबा और इन अन्य लोगों द्वारा की गई है। सुलैमान को शाही गधे पर बैठाया गया। ऐसा नहीं है कि वह कह रहा है, "अरे, मैं राजा बनना चाहता हूँ, मुझे शाही गधे पर सवारी करने दो।" नहीं, दूसरे लोगों ने उसे गधे पर बिठाया। तो सोलोमन एक "आगे बढ़ने वाला" प्रकार का चरित्र नहीं है, जहाँ वह अपनी आस्तीन पर अपना दिल पहनता है और यह मुझे परेशान करता है लेकिन हम थोड़ी देर में उस पर

वापस आएंगे।

सुलैमान को दाऊद की सलाह

अब डेविड सुलैमान को कुछ सलाह देता है जैसे एक पिता अपने बेटे को अध्याय 2 श्लोक 2 में देता है, यह एक दिलचस्प अंश है: “अब डेविड के मरने का समय निकट आ गया था। उसने अपने पुत्र सुलैमान को कार्यभार सौंपा।” ये एक पिता के अपने बेटे से कहे गए आखिरी शब्द हैं। क्या आपको याद है कि जब आपके पिता की मृत्यु हो जाती है तो पिता द्वारा अपने बेटे से कहे गए आखिरी शब्द क्या होते हैं? हां, आपको वे शब्द हमेशा याद रहेंगे। “मैं सारी पृथ्वी के रास्ते पर जाने वाला हूँ” उन्होंने कहा, “इसलिए मजबूत बनो और अपने आप को एक आदमी दिखाओ” वहां दिलचस्प है, “ताकत।” यह कविता राजनीतिक रूप से सही नहीं है, “मजबूत बनो और अपने आप को एक आदमी दिखाओ।” हमारी संस्कृति में मनुष्य होने का क्या अर्थ है? यह राजनीतिक रूप से बहुत गलत है. हालाँकि मुझे यह पसंद है।

“देखो कि प्रभु तुमसे क्या चाहता है। [प्रभु को आपसे क्या चाहिए?] उसके मार्गों पर चलो। उसके नियमों, उसकी आज्ञाओं, उसके नियमों और उसकी आवश्यकताओं का पालन करो जैसा मूसा की व्यवस्था में लिखा है।” तो, क्या दाऊद मूसा की व्यवस्था से अवगत है? अब आपके कुछ उदारवादी आलोचक कहेंगे, “मूसा का कानून 150 वर्षों तक उस जेईडीपी स्रोतों के साथ नहीं लिखा गया था जिसे हमने पहले देखा था। प्रश्न: क्या दाऊद मूसा की व्यवस्था से अवगत है? क्या दाऊद ने सुलैमान से कहा, बेहतर होगा कि तू अपना सिर मूसा की व्यवस्था-तोराह में रखे?

“ताकि जो कुछ तुम करो और जहां कहीं जाओ, वहां तुम सफल हो जाओ, और प्रभु मुझ से किया हुआ अपना वचन निभाए।” परमेश्वर ने दाऊद से क्या वादा किया था? 2 शमूएल अध्याय 7 श्लोक 14, “दाऊद, मैं तेरे लिये एक घर [वंश] बनाऊंगा और तेरा घर सदैव बना रहेगा” अर्थात् दाऊद का एक पुत्र इस्राएल पर सदैव के लिये राज्य करेगा। हम जानते हैं कि वह यीशु ही है जो मसीहा के पास जा रहा है। दाऊद सुलैमान के पास आता है। लेकिन ध्यान दें कि कथा में एक बदलाव है, “प्रभु मुझसे अपना वादा निभा सकते हैं” और फिर वह कहते हैं, “यदि आपके वंशज देखेंगे कि वे कैसे रहते हैं और क्या वे ईमानदारी से चलते हैं।” क्या सुलैमान के कुछ वंशज प्रभु के साथ ईमानदारी से चलेंगे? हिजकिय्याह और योशिय्याह। लेकिन क्या उनमें से अधिकतर भटक

जायेंगे? डेविड कह रहा है कि डेविड के साथ की गई वाचा अपने कुछ पहलुओं में एक सशर्त वाचा है। इसमें एक "यदि" भाग है। आपको प्रभु के मार्गों पर चलना होगा अन्यथा प्रभु आपके वंशजों को उस तरह से सिंहासन पर नहीं बिठाएंगे जिस तरह से वह रखते। तो वहाँ डेविड के साथ एक "अगर" है, और यह दिलचस्प है। अब, आखिरकार क्या यीशु हमेशा-हमेशा के लिए सिंहासन पर बैठा रहेगा? हां, ऐसा होने जा रहा है क्योंकि भगवान ने अपना वचन दिया है, लेकिन डेविड के वंशज अपनी आज्ञाकारिता के अनुसार विभिन्न स्तरों पर इसमें भाग लेंगे।

डेविड की हिट लिस्ट

अब डेविड एक बूढ़ा आदमी है और वह कहता है, "ठीक है, सुलैमान, तुम्हें राज्य को साफ करना होगा" क्योंकि कुछ चीजें हैं जो डेविड ने नहीं कीं। जैसा कि मैं कहता हूँ, डेविड ने सोलोमन को अपनी "हिट लिस्ट" दी। इस हिट लिस्ट में कौन होगा? आइए इन लोगों के माध्यम से बात करें। दाऊद के राज्य में किसी अन्य की तुलना में किसके हाथों पर अधिक खून लगा है? योआब. योआब दाऊद का सेनापति था और योआब ने अब्नेर को बेरहमी से मार डाला। योआब कथा में सभी को मार डालता है। हमें कथा में बताया गया है कि योआब ने अबशालोम को मार डाला। और दाऊद कहता है, हे सुलैमान, मैं खून का आदमी हूँ। आपको इस समस्या का ध्यान रखना होगा. योआब के हाथ खून से सने हैं।" अब, वैसे, आप पूछ सकते हैं, डेविड समस्या का ध्यान क्यों नहीं रखता? वह अपने बेटे से ऐसा क्यों करवाता है? क्या इसकी बहुत सम्भावना है कि योआब और दाऊद अच्छे दोस्त थे? वे दोनों बेथलहम में एक साथ बड़े हुए। वे दोनों एक साथ शाऊल के पास से भागे और एक साथ लड़े। तो ये लोग जीवन भर लड़ने वाले दोस्त हैं। इसलिए डेविड अपने दोस्त के साथ ऐसा नहीं करेगा। परन्तु योआब के हाथ खून से सने हुए हैं, इसलिये दाऊद चाहता है कि सुलैमान उसका ध्यान रखे ताकि उसका सिर शांति से न डूबे। तो योआब क्या करता है? सुलैमान के सत्ता संभालने के बाद, योआब तम्बू क्षेत्र में दौड़ता हुआ जाता है और शरण के लिए वेदी के सींगों को पकड़ लेता है। सुलैमान कहता है, भीतर जाकर उसे वहीं मार डालो, मैं वह खून अपने राज्य पर नहीं चाहता।

क्या किसी को याद है कि शिम में कौन था? यह कठिन है. वह एक छोटा पात्र है. आइए मैं आपको शिमी की कहानी बताता हूँ। अबशालोम अपने पिता को मार डालने के लिये आ रहा है। दाऊद यरूशलेम से जैतून पर्वत के पार, किद्रोन की घाटी के पार भाग गया। जैसे ही डेविड जैतून

के पहाड़ पर दौड़ रहा है, शाऊल का वंशज शिमी दिखाई देता है और वह कहता है, "देखो डेविड, तुम्हें अंततः वही मिल रहा है जो तुम्हें मिलना चाहिए। डेविड, तुम शाऊल के साथ एक दुष्ट व्यक्ति थे। तो अब आपको वह मिल रहा है जिसके आप हकदार हैं।" इसलिए शिमी ने दाऊद को श्राप दिया क्योंकि दाऊद अपने बेटे के पास से एक कमज़ोर स्थिति में भाग रहा था। अब, क्या दाऊद शिमी को मार सकता था? लेकिन डेविड दयालु है और शिमी को बख्श देता है, लेकिन वह सुलैमान से कह रहा है कि अब इस आदमी ने मुझे श्राप दिया है, व्यापार का ख्याल रखना।

सुलैमान शिमी के साथ कैसा व्यवहार करता है? यह काफी दिलचस्प है कि वह ऐसा कैसे करता है। वह कहता है, "शिमी, मैं तुम्हारी जान नहीं लेने जा रहा हूँ, लेकिन अगर तुम कभी यरूशलेम छोड़ोगे, तो मैं तुम्हें मार डालूँगा।" तो शिमी का एक नौकर क्या करता है? शिमी का नौकर भाग जाता है। शिमी क्या करती है? शिमी अपने नौकर को यरूशलेम वापस लाने के लिए उसके पीछे दौड़ता है, सुलैमान को इसके बारे में पता चलता है और वह कहता है, "मैंने तुमसे कहा था कि शहर मत छोड़ो।" इसलिए शिमी को बाहर निकाला गया।

अदोनियाह के बारे में आपको कोई जानकारी नहीं है? अदोनियाह को एक समस्या है. क्या तुम्हें याद है जब अब्रैर और ईशबोशेत यरदन में थे? अब्रैर ने कहा, मैं शाऊल की उपपत्नी रिस्पा को चाहता हूँ; और ईशबोशेत घबरा गया क्योंकि यह ऐसा था मानो यह राजत्व के लिए एक खेल हो? दाऊद का पुत्र अदोनियाह कहता है, मैं अबीशग को चाहता हूँ। याद है, वह सुंदर युवा महिला जो डेविड के साथ सोई थी? एडोनियाह का कहना है कि मैं अब उसे अपने लिए चाहता हूँ। क्या यह राजत्व के लिए एक नाटक है, ताकि वह उसी महिला के साथ सो सके जो डेविड के साथ सोई थी? इसलिए ऐसा माना जाता है कि जब अदोनियाह कहता है कि वह अबीशग चाहता है तो वह राजत्व के लिए बोली लगा रहा है। तो सुलैमान कहता है, तुम्हें अदोनियाह जाना होगा, यह ठीक नहीं है। इसलिये सुलैमान अदोनियाह को बाहर ले गया। इन तीन लोगों के साथ, सुलैमान राज्य को शुद्ध कर रहा है और इसे शुद्ध बना रहा है ताकि उसके हाथों पर खून न लगे और वह राजनीतिक साज़िशों से बच सके।

सुलैमान की बुद्धि

अब इस कथा में दिलचस्प बात यह है कि मैं आपको यह प्रदर्शित करने जा रहा हूँ कि

सुलैमान भगवान द्वारा उसे ज्ञान देने से पहले बुद्धिमान था। वह अध्याय 3 में एक विशेष सपना देखने जा रहा है। वह गिबोन में सपना देखने जा रहा है और भगवान उससे पूछने जा रहे हैं कि वह क्या चाहता है। सुलैमान का कहना है कि वह बुद्धिमान और समझदार बनना चाहता है। भगवान उससे प्रभावित होंगे और उसे दुनिया में किसी भी अन्य से अधिक बुद्धिमान बना देंगे। परन्तु स्वप्न से पहले सुलैमान बुद्धिमान था और दाऊद उसे अपने पिता के रूप में पहचानता है। श्लोक 6 में कहा गया है, “सुलैमान अपनी बुद्धि के अनुसार उसके साथ (अर्थात् योआब के साथ) व्यवहार करो। उसके सफ़ेद बालों को शांति से कब्र में मत जाने दो।” डेविड ने पहचान लिया कि उसका बेटा बुद्धिमान था। ये सपने से पहले की बात है। फिर यदि आप अध्याय 2 श्लोक 9 (फिर से, स्वप्न से पहले) पर जाएँ तो दाऊद सुलैमान से कहता है, “परन्तु अब उसे निर्दोष न समझना, (इस बार वह शिमी के विषय में बात कर रहा है) हे सुलैमान, तू बुद्धिमान मनुष्य है। [दाऊद सुलैमान से कहता है] तुम्हें पता चल जाएगा कि उसके साथ क्या करना है, उसके भूरे बालों वाले सिर को खून से लथपथ कब्र में ले आओ।” इसलिये सुलैमान स्वप्न से पहिले बुद्धिमान था। क्या भगवान अक्सर लोगों के साथ ऐसा करते हैं, उनके उपहार लेते हैं और फिर उनके उपहारों को बढ़ाते हैं? ऐसा नहीं था कि सुलैमान उससे पहले मूर्ख था।

अब यहीं पर सुलैमान को ज्ञान प्राप्त हुआ, 1 राजा अध्याय 3 गिबोन के बलिदान स्थान पर। सुलैमान यहोवा के साम्हने बलिदान चढ़ाते हुए वहां जाता है और परमेश्वर सुलैमान के पास स्वप्न में आते हैं और “राजा बलिदान चढ़ाने के लिए गिबोन को गया और गिबोन में यहोवा ने रात में स्वप्न में सुलैमान को दर्शन दिए और यहोवा ने पूछा, 'मैं क्या मांगूं?' तुम्हें दे दो।" अब आप जानते हैं कि जिन्न बोटल से बाहर आता है और आपको तीन इच्छाएं देता है। आपकी इच्छा क्या है? आपको इस बारे में होशियार रहना होगा। पहली दो इच्छाएं करते हुए आप जो चाहें मांग लें और तीसरी इच्छा में आप और अधिक इच्छाएं मांग लें। यहां उन्होंने कहा, "तुम्हें जो चाहिए वो मांग लो और मैं तुम्हें दे दूंगा. सुलैमान ने उत्तर दिया (और इससे उसकी बुद्धि का पता चलता है) कि तू ने मेरे पिता राजा दाऊद पर बड़ी कृपा की है, क्योंकि वह विश्वासयोग्य था।" फिर मैं थोड़ा नीचे कूदने जा रहा हूं, “लेकिन मैं केवल एक बच्चा हूं। मैं नहीं जानता कि मुझे अपने कर्तव्यों का पालन कैसे करना है। आपका सेवक यहां आपके द्वारा चुने गए लोगों के बीच में है, एक महान लोग, जिनकी संख्या गिनना

या गिनना बहुत मुश्किल है (क्या आपको लोगों को गिनने के बारे में थोड़ी जानकारी है?) इसलिए अपने सेवक को अपने लोगों पर शासन करने के लिए एक समझदार दिल [या सुनने वाला दिल] दें सही और गलत के बीच अंतर करना।" क्या राजा को सही और गलत में फर्क करने के लिए अदालत में मुकदमे चलाने पड़ते हैं? "तुम्हारी इस महान प्रजा पर शासन कौन कर सकता है? और सुलैमान ने जो कुछ माँगा था उससे यहोवा प्रसन्न हुआ।" वह कहता है, "अरे, सुलैमान, तुमने लंबी उम्र नहीं माँगी। तुमने धन नहीं माँगा।" भगवान कहते हैं, "मैं तुम्हें वे चीजें भी दूँगा।" इस प्रकार गिबोन में सुलैमान का स्वप्न उसकी नम्रता को दर्शाता है। यह सुलैमान की विनम्रता को दर्शाता है जब वह कहता है कि वह सिर्फ एक छोटा बच्चा है जो सही और गलत के बीच निर्णय लेने में असमर्थ है। यह सुलैमान में सच्ची विनम्रता है।

वैसे, क्या बुद्धि और इस विनम्रता के बीच तनाव रहेगा? क्या आप जानते हैं कि अधिकांश बुद्धिजीवी विनम्र लोग हैं? क्या आमतौर पर ऐसा नहीं है कि जब कोई व्यक्ति प्रतिभाशाली होता है, तो वह अहंकारी हो जाता है? आमतौर पर जब कोई व्यक्ति तेजस्वी होता है तो वह अहंकारी हो जाता है। यहां आप सुलैमान को विनम्रता के साथ देखते हैं जो वास्तव में बहुत बुद्धिमान है।

समस्या यह है कि सुलैमान कहता है, "मैं केवल एक बच्चा हूँ," क्या आपको इस समय एहसास है कि उसके पास पहले से ही एक बच्चा और एक पत्नी है? सुलैमान के जीवन के इस बिंदु पर इसका तुरंत उल्लेख नहीं किया गया है, आपको वापस जाना होगा। असल में उसका पहले से ही एक साल का बेटा है और उसकी एक अम्मोनी पत्नी है। पत्नी अम्मोनी है, वह यहूदी नहीं है! क्या आपको याद है जब आपने अध्याय 11 में कथा पढ़ी थी तो यह हमें बताएगी कि सुलैमान की 700 पत्नियाँ और 300 रखैलें थीं और उन्होंने उसके दिल को भटका दिया था? यह आपको सुलैमान के जीवन के अंत में बताता है कि उसे ये सभी पत्नियाँ और रखैलें मिलीं। परन्तु जब सुलैमान ने स्वप्न से पहिले प्रस्थान किया, और उसके राजा बनने से पहिले, या जब वह राजा बनने लगा, तब उसकी एक अम्मोनी पत्नी और एक वर्ष का पुत्र था। जब सुलैमान मर गया और उसका पुत्र रहूबियाम सत्ता में आया, तब उसका पुत्र 41 वर्ष का था। सुलैमान ने 40 वर्ष तक शासन किया। इसका मतलब यह है कि उसका बेटा एक साल का था और उसका जन्म एक ऐसी पत्नी से हुआ था जो सपने के समय एक अम्मोनी थी, लेकिन यह आपको अध्याय 11 में बाद तक पत्नियों के साथ समस्या के बारे में नहीं

बताता है। तो आपके पास है कथा के साथ काम करना और यह वहां कैसे काम करता है।

सुलैमान और उसकी संपत्ति की मार्क्सवादी व्याख्याएँ

अब धन, यहाँ क्या समस्या है? क्या मार्क्सवादियों को धन पसंद है? वैसे, शिक्षा जगत में, इस देश भर के कॉलेजों में, क्या कई प्रोफेसर मार्क्सवादी उन्मुख हैं? उत्तर है, हाँ। अब मार्क्सवादी 1 किंग्स की पुस्तक पर आते हैं और वे देखते हैं कि सुलैमान को इस सारी संपत्ति के साथ भगवान का आशीर्वाद प्राप्त था। क्या मार्क्सवादी लोगों को पैसे वाले लोग पसंद हैं? नहीं, वे उनसे नफरत करते हैं। इसलिए जब मार्क्सवादी यहां प्रवेश करता है तो उसे इस अनुच्छेद को पूरी तरह से उलट देना होगा। यह मेरे लिए दिलचस्प है. मार्क्सवादी और मेरे साथ काम कर चुके कितने विद्वान इसकी व्याख्या इस प्रकार करते हैं। मैं इसे देखता हूँ और कहता हूँ, "भगवान ने सुलैमान को धन से आशीर्वाद दिया।" वे कहते हैं कि धन बुरा है, इसलिए इस कथा को व्यंग्यात्मक ढंग से पढ़ने की जरूरत है। अब आप 1 राजा की कहानी को व्यंग्यात्मक ढंग से कैसे पढ़ेंगे? "ओह हाँ, सुलैमान के पास यह सारा सोना और चाँदी था। अरे हाँ, सुलैमान उस समय का सबसे धनी व्यक्ति था। क्या आप जानते हैं कि सुलैमान को यह सारी सम्पत्ति कहाँ से मिली? उसने लोगों से दिन के उजाले पर कर वसूला होगा।" वैसे, बाद में हमें पता चला कि सुलैमान ने लोगों पर कर लगाया था। सत्ता में बैठे राजाओं को पैसा कहां से मिलता है? वे इसे हमेशा एक ही स्थान से प्राप्त करते हैं - वे लोगों पर कर लगाते हैं। सुलैमान ने लोगों पर कर लगाया, इसलिए मार्क्सवादी कहेंगे कि सुलैमान अमीर है, इसलिए नहीं कि भगवान ने उसे धन दिया, बल्कि इसलिए कि उसने लोगों पर कर लगाया। तो सुलैमान की संपत्ति उसके 99% पर हावी होने की क्रूरता को दर्शाती है क्योंकि वह 1% था। क्या आपको इसमें सभी अर्थ मिल गए हैं, मुझे आशा है कि आपको मिलेगा।

यह व्याख्या कथा पर क्या प्रभाव डालती है? बुद्धि और धन भगवान का आशीर्वाद होने के बजाय, मार्क्सवादी इसे पढ़ते हैं कि बुद्धि और धन भगवान का आशीर्वाद नहीं है बल्कि सुलैमान अन्य लोगों से धन लेता है। इसलिए सुलैमान "वास्तव में बुद्धिमान" था और उसने लोगों पर कर लगाया। तो यह कथा सुलैमान को ऊपर उठाने के लिए नहीं है, यह कथा सुलैमान को नीचे ले जाने के लिए है। अब, वैसे, क्या यह आपके पढ़ने के तरीके से बिल्कुल अलग है? मैं आपको जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है कि क्या इसे लेने का यह गलत तरीका है? लेकिन बहुत से लोग अब इसे ऐसे ही ले

रहे हैं, जो मुझे लगता है कि गलत है क्योंकि यह इस बात से इनकार कर रहा है कि धन भगवान का एक उपहार था। अब बाद में धन को लेकर समस्याएँ होंगी, लेकिन आपको सावधान रहना होगा जब आप कहते हैं, "सभी धन बुरे हैं।" लंबी उम्र, फिर से भगवान के आशीर्वाद में से एक। सुलैमान 40 वर्ष तक राज्य करेगा, और परमेश्वर उसे धन और लम्बी आयु देगा।

सुलैमान की बुद्धि की विजय

अब, जब कोई नया नेता कार्यभार संभालता है, तो नए नेता को सबसे पहले क्या करना होता है? उसे जीत हासिल करनी है. डेविड, 1 शमूएल 16 डेविड अभिषिक्त राजा है। 1 शमूएल अध्याय 17 डेविड और गोलियथ है, डेविड की पहली जीत। शाऊल इस्राएल का पहला राजा बना, शाऊल ने क्या किया, उसने पलिशियों को हराया। सुलैमान ने अधिकार कर लिया, उसकी लड़ाई कहाँ है? क्या आपको कभी युद्ध में सुलैमान के बारे में पढ़ना याद है? नहीं, सुलैमान, युद्ध की विजय के बजाय, सुलैमान की विजय बुद्धि की विजय है।

यह कहानी दो वेश्याओं के बारे में यहाँ क्यों रखी गई है? आइए मैं आपको दो वेश्याओं की कहानी सुनाता हूँ। वहाँ ये दो स्त्रियाँ, वेश्याएँ थीं, प्रत्येक के एक-एक बच्चा था। कोई रात में अपने बच्चे के ऊपर लोटता है और मूल रूप से बच्चे का गला घोंट देता है, या मार डालता है। इसलिए उसने अपने ही बच्चे को मार डाला, रात के समय वह अपने मरे हुए बच्चे को ले जाती है, और उसे दूसरी स्त्री के स्तन से लगाती है, और फिर उस अच्छे बच्चे को ले लेती है। महिला को सुबह उठकर इसका एहसास हुआ। अब, क्या महिलाएँ अपने बच्चों को पहले दिन से भी पहचानती हैं? सभी बच्चे एक जैसे दिखते हैं? क्या वह सच है? सभी बच्चे एक जैसे नहीं दिखते इसलिए उसे एहसास होगा कि यह उसका बच्चा नहीं है। तो अब हमारे पास उसने कहा बनाम उसने कहा है। "यह मेरा बच्चा है, नहीं, यह मेरा बच्चा है" आदि। जब आपके पास दो महिलाएं इस तरह लड़ रही हों, तो आपको क्या करना चाहिए? "ठीक है," सुलैमान कहता है, "मुझे एक तलवार दो, मैं जीवित बच्चे को दो टुकड़ों में काट दूँगा और प्रत्येक स्त्री को आधा-आधा दे दूँगा।" एक माँ के पास अपने बच्चों के लिए क्या होगा? सुलैमान इस तथ्य पर खेल रहा है कि एक माँ को अपने बच्चों के प्रति दया होगी। क्या मेरे घर में मेरे बच्चे कुछ गलत कर सकते हैं? अगर कोई हमारे बच्चों पर हमला करता है तो क्या मेरी पत्नी हमेशा हमारे बच्चों का पक्ष लेती है? यहां तक कि जब बच्चे बुरी चीजें करते हैं, तब भी वह हमेशा

बच्चों के पक्ष में होती है। वह माँ है। तो बच्चे को दो टुकड़ों में काट दो। असली माँ कहती है, बच्चे के दो टुकड़े मत करो, इसे दूसरी औरत को दे दो, बच्चे को जीवित रहने दो। सो अब सुलैमान जान गया कि असली माँ कौन है, और उस से बच्चा लेकर असली माँ को दे देता है। क्या सही है और क्या ग़लत है, यह समझना बुद्धि की जीत है। इन दोनों महिलाओं से यह उनकी पहली जीत है। यह बुद्धिमत्ता की जीत है।

अब सुलैमान कहावत का आदमी है। दाऊद इस्राएल का मधुर भजनकार है। दाऊद हमें भजन संहिता की लगभग आधी पुस्तक देता है। नीतिवचन बड़े पैमाने पर सुलैमान द्वारा लिखे गए हैं। 1 राजा 4:30 यह कहता है: "उसने 3000 नीतिवचन कहे।" हमारी बाइबल में कितनी कहावतें हैं? लगभग 375. उन्होंने 3000 कहावतें लिखीं, हमारे पास केवल 375 हैं - यह उनके लिखे का लगभग 12% है। सुलैमान की अधिकांश कहावतें लुप्त हो गई हैं। "और उनके गाने की संख्या 1005 है।" उनके पास सोलोमन का एक गीत था और उन्होंने इसे बाइबिल में डाल दिया और उन्होंने कहा, "यह बहुत हो गया।" नहीं, भजन संहिता की पुस्तक में सुलैमान के भी दो भजन हैं। सोलोमन का गीत उन्हें समर्पित है, लेकिन यह वास्तव में "गीतों का गीत" है, न कि "सोलोमन का गीत।" वैसे भी, उनकी स्तोत्र संख्या 1005 है। 1 राजा 4.33, "उन्होंने लेबनान के देवदार से लेकर दीवारों से उगने वाले जूफा तक, पौधों के जीवन का वर्णन किया। उन्होंने पक्षियों, जानवरों, सरीसृपों और मछलियों के बारे में भी बात की। और सब जातियों से लोग सुलैमान की बुद्धि की बातें सुनने के लिये आए, जो जगत के उन राजाओंके द्वारा भेजी हुई थीं, जिन्होंने उसकी बुद्धि का समाचार सुना था।

फिरौन की बेटी, सुलैमान और नीतिवचन

आपको पता होना चाहिए कि मैं वास्तव में भजन और नीतिवचन में रुचि रखता हूँ और मैं वास्तव में सुलैमान में हूँ। अब जो मैं आपको बताने जा रहा हूँ, आप यहां गॉर्डन कॉलेज में हैं, दुनिया में कोई और नहीं है जो यह कहने वाला हो। यह पूरी तरह से अनोखा है आप इसे किसी टिप्पणी में कभी नहीं पढ़ेंगे। अब जैसे ही मैं यह कहता हूँ, आपको मेरी हर बात के पीछे क्या रखना चाहिए? एक बड़ा सवालिया निशान. हिल्डेब्रांट इसे बना रहा है। अब मैंने लंबे समय तक इसका अध्ययन

किया है, लेकिन मैं कुछ बनाने जा रहा हूँ। यह अस्थायी है और मैं यहां गलत हो सकता हूँ। मुझे लगता है कि मैं सही हूँ, लेकिन मैं गलत भी हो सकता हूँ। इस कथा में कुछ मुझे परेशान करता है। जैसे ही मैंने यह कथा पढ़ी, कथा में कौन सामने आता रहता है? यह औरत, फिरौन की बेटी। इससे पहले कि सुलैमान ने ज्ञान प्राप्त करने के लिए गिबोन में अपना सपना देखा, अध्याय 3 में कहा गया है, "सुलैमान ने मिस्र के राजा फिरौन के साथ गठबंधन किया और उसकी बेटी से शादी की।" वह आयत पूरी तरह से संदर्भ से बाहर है, अचानक आपके पास फिरौन की बेटी है। वह कहां से आया? वह ज्ञान पाने का सपना देखने जा रहा है और फिरौन की बेटी के बारे में यह कविता कहां से आई। यदि आप अध्याय 9 पद 24 पर जाएँ तो आप वही चीज़ देखेंगे, यह इस पत्नी के बारे में पद्य में बताया गया है जो उसे मिस्र से मिली है। "फिरौन की बेटी दाऊद के नगर से उस महल में आई, जिसे सुलैमान ने उसके लिये बनवाया था।" सुलैमान ने इस महिला के लिए एक विशेष महल बनवाया क्योंकि वह उसे मंदिर क्षेत्र में नहीं रखना चाहता था क्योंकि वह यहूदी नहीं थी, वह मिस्र की थी। इसलिए सुलैमान ने चीज़ों को कोषेर रखने के लिए उसके लिए एक विशेष महल बनवाया। अध्याय 11 श्लोक 1 में सुलैमान की पत्नियों की एक सूची है और यह कहता है, "राजा सुलैमान फिरौन की बेटी के अलावा कई विदेशी महिलाओं से प्यार करता था।" ध्यान दें कि फिरौन की बेटी को कैसे विशेषाधिकार प्राप्त है। बाकी सभी पत्नियाँ हैं--लेकिन वह विशेष है। इस आयत में 700 पत्नियाँ और 300 रखैलें दर्ज हैं। क्या कोई आदमी ऐसा कर सकता है? नहीं, उनमें से बहुत सारी राजनीतिक शादियाँ हैं।

अब मैं आपको जो सुझाव दे रहा हूँ वह यह है: नीतिवचन में, बुद्धि को कैसे चित्रित किया गया है? नीतिवचन अध्याय 1-9 बुद्धि को किस प्रकार चित्रित किया गया था? बुद्धि को एक महिला के रूप में चित्रित किया गया है। यह नारी बुद्धि छंद नारी मूर्खता है। महिला फ़ॉली युवक को बहकाने की कोशिश करती है और सोलोमन अपने बेटे को मैडम विजडम के साथ डेट पर ले जाने की कोशिश कर रहा है। मैडम विजडम एक महिला हैं। क्या आपने देखा है कि नीतिवचन की किताब में भी मंदिर का कोई जिक्र नहीं है। अब, क्या मंदिर सुलैमान के पूरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है? सुलैमान ने परमेश्वर का पहला मन्दिर बनवाया, उसे सोने और देवदार आदि से मढ़ा। इसका नीतिवचन की पुस्तक में भी उल्लेख नहीं है। मंदिर से किसे थोड़ी सी भी

नाराजगी होगी? क्या फिरौन की बेटी को थोड़ी सी नाराजगी होगी क्योंकि वह मंदिर के लिए "काफ़ी अच्छी" नहीं है? सुलैमान ने उससे दूर यह अलग महल बनवाया।

यहां एक और बात है, जब आप नीतिवचन अध्याय 22 पर जाते हैं, तो यह मिस्र की अमेनेमोप की कहावतों के बहुत समान है। मैं यहां जो सुझाव दे रहा हूं वह यह है: क्या यह संभव है कि सुलैमान इस पत्नी, फिरौन की बेटी, के साथ बातचीत कर रहा है, क्या यह बहुत संभावना है कि वह मिस्र के ज्ञान को जानती है? और क्या यह बहुत संभव है कि सुलैमान दुनिया भर से कहावतें इकट्ठा कर रहा है और वह मिस्र से अपनी पत्नी के पास जाता है और वह कहता है, "अरे, तुम्हारे पास वहां किस तरह की कहावतें हैं"? उसे मिस्र की विद्या में प्रशिक्षित किया गया होगा। हाँ, वह होती। तो मैं जो सुझाव दे रहा हूं वह यह है कि यह बहुत संभव है कि नीतिवचन की पुस्तक में सुलैमान के माध्यम से मध्यस्थता करने वाली फिरौन की बेटी का प्रभाव हो। मैं जो सुझाव दे रहा हूं वह यह है कि मुझे लगता है कि वहां काफ़ी मजबूत प्रभाव है। अब ये सुलैमान की कहावतें हैं और सुलैमान इसके संपादक थे, लेकिन उन्होंने संभवतः फिरौन की बेटी के साथ कड़ी बातचीत की थी। उसे 1 किंग्स कथा में उजागर किया गया है।

वैसे, नीतिवचन की पुस्तक का अंत कैसे होता है (अध्याय 31)। इसका अंत एक "VW," एक गुणी महिला के साथ होता है। क्या यह संभव है कि यह गुणी महिला फिरौन की बेटी के समान बनी हो? यह एक खिंचाव है। उससे एक बड़ा प्रश्नचिन्ह लग गया। वहाँ बस कुछ अन्य विचार हैं।

सुलैमान और मंदिर

मंदिर निर्माण: अध्याय 8, सुलैमान ने पहला मंदिर बनाया। यहूदी लोग अपना इतिहास मंदिरों के आसपास व्यवस्थित करते हैं। ईसाई लोग अपना इतिहास ईसा मसीह के अनुसार व्यवस्थित करते हैं। हमारे पास BC (ईसा से पहले) और AD (हमारे प्रभु का वर्ष) है। हम मसीह के इर्द-गिर्द काम करते हैं। यहूदी लोगों को "प्रथम मंदिर काल" कहा जाता है। पहला मंदिर काल सुलैमान से लेकर बेबीलोन की कैद तक का है। 586 ईसा पूर्व में बेबीलोनवासी मंदिर को नष्ट करने जा रहे थे, तो याद रखें कि उस समय के आसपास एज्रा और नहेमायाह ने मंदिर का पुनर्निर्माण किया था और दूसरा मंदिर काल एज्रा और नहेमायाह के समय से लेकर यीशु के समय तक चला जाता है। यीशु दूसरे मंदिर में आएंगे और रोमन 70 ईस्वी में

दूसरे मंदिर को नष्ट कर देंगे, इसलिए यहूदी समय को प्रथम मंदिर काल और दूसरे मंदिर काल के आधार पर निर्दिष्ट करते हैं। सुलैमान पहला मन्दिर बनाने जा रहा है। उसने यह कैसे किया? वह लेबनान तक जाता है, डेविड ने वास्तव में हीराम नाम के एक व्यक्ति के साथ इसे स्थापित किया था, और वह वहां हीराम के पास जाता है और कहता है, "हीराम, मुझे लेबनान के कुछ देवदार चाहिए।" हीराम कहता है, "यार, हमारे ट्रक वाले हड़ताल पर हैं, हम लकड़ी तुम्हारे पास नहीं ला सकते।" नहीं, वे क्या करेंगे कि लेबनान के देवदारों को समुद्र में फेंक देंगे और वे उन्हें आज तेल-अवीव (या जोप्पा) में बहा देंगे और फिर जोप्पा से उन्हें यरूशलेम तक ले जाया जाएगा। वे लेबनान के इन देवदारों को भूमध्य सागर में फेंक देते हैं और उन्हें इसराइल में बहा देते हैं। यह एक दिलचस्प तरीका है कि उन्होंने इन चीजों का निर्माण किया, उन्होंने लेबनान के देवदारों से जहाज बनाए। तब सुलैमान ने देवदार के वृक्षों को लिया, और चट्टानों को मढ़ा, और फिर उन्हें सोने से मढ़ा। यह एक अविश्वसनीय बात थी।

अब सुलैमान यहां अध्याय 8 श्लोक 27 में एक समर्पित प्रार्थना करता है। मंदिर सुलैमान की सबसे बड़ी उपलब्धि है। वह भगवान के लिए मंदिर बनाता है जो उसके पिता हमेशा से चाहते थे। सुलैमान वास्तव में इसे बनाता है। पद 27 में यह उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है, वे कहते हैं, "लेकिन क्या भगवान वास्तव में पृथ्वी पर निवास करेंगे? स्वर्ग, यहाँ तक कि सबसे ऊँचा स्वर्ग भी तुम्हें अपने में समाहित नहीं कर सकता, फिर यह मंदिर तो मैंने ही क्यों बनवाया है।" यह उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है. क्या सुलैमान के पास अभी भी चीजें परिप्रेक्ष्य में हैं? हाँ। यह मंदिर भगवान के लिए कुछ भी नहीं है। यह ब्रह्मांड का भगवान है और "यह मंदिर कितना कम है।" तो ऐसा प्रतीत होता है कि सुलैमान ने इसे एक साथ रखा है। वह इस बड़ी उपलब्धि को स्वीकार कर लेता है और इस पर इतराने की बजाय उसका सिर ज्यादा बड़ा नहीं होता। तो सुलैमान यहाँ काफ़ी बुद्धिमान प्रतीत होता है।

सुलैमान की प्रसिद्धि: शीबा की रानी

शीबा की रानी सुलैमान से मिलने आती है। वह सऊदी अरब प्रायद्वीप (शीबा) के दक्षिण की ओर, जिसे आप लोग यमन कहते हैं, वहां से पूरे रास्ते तक यात्रा करती है। वह सुलैमान को देखने के लिए, संभवतः 1000 मील ऊपर तक आती है। वह उससे कठिन प्रश्न पूछती है। अनुवादों में से

एक कहता है, "सुलैमान की बुद्धिमत्ता से उसकी सांसें थम गईं।" वह बड़बड़ाती हुई कहती है, "सुलैमान, मेरे देश से जो कुछ मुझे बताया गया था, तुम उससे कहीं अधिक बुद्धिमान हो। आप मेरी कल्पना से भी अधिक बुद्धिमान हैं।" और वह सुलैमान पर डींगें हांकती है।

लेकिन क्या आपको ध्यान आया कि यहां क्या हो रहा है? क्या सुलैमान अपने बारे में डींगें हांकता है? नहीं, अन्य लोग, शेबा और हीराम की रानी की तरह सुलैमान के बारे में डींगें हांकते हैं। इसलिए शायद ही कभी सुलैमान पाठ में बोलता है, अन्य लोग सुलैमान के बारे में प्रशंसा करते हैं। क्या यह बुद्धिमान व्यक्ति का लक्षण है? वह अपनी बड़ाई नहीं करता, दूसरे लोग उसकी बड़ाई करते हैं। यही बुद्धिमान व्यक्ति की पहचान है।

सुलैमान की मूर्खता: प्रभु से विमुख होना

अब, सुलैमान की मूर्खता, यहाँ समस्या क्या है? अध्याय 11 इसे बचाता है। सुलैमान ने कई विदेशी पत्नियों से विवाह किया और मूल रूप से उसका दिल उनके पीछे चला गया। अब कुछ बातें: सुलैमान की 700 पत्नियाँ और 300 रखैलें हैं, लेकिन राजा बनने से पहले उसकी शादी इस अम्मोनी से हुई थी और गिबोन में ज्ञान प्राप्त करने के सपने से पहले, उसने फिरौन की बेटी से शादी कर ली थी। तो सुलैमान ने पहले ही इस पर काम शुरू कर दिया था, दूसरे शब्दों में, उन्होंने इस बिंदु तक इन सभी महिलाओं को बचा लिया। जब सुलैमान 40 वर्ष तक शासन करने के बाद मर गया, तब उसका पुत्र रहूबियाम 41 वर्ष का था।

इसके बाद यह प्रश्न उठता है और मैं यहीं समाप्त करना चाहूंगा। मुझे बस यह पढ़ने दीजिए कि पाठ क्या कहता है। "वे उन राष्ट्रों से थे जिनके बारे में यहोवा ने इस्राएलियों से कहा था, 'तुम्हें उनके साथ विवाह नहीं करना चाहिए'... जैसे-जैसे सुलैमान बूढ़ा होता गया, उसकी पत्नियों ने उसका मन दूसरे देवताओं की ओर मोड़ दिया, और उसका मन अपने परमेश्वर यहोवा के प्रति पूरी तरह समर्पित नहीं रहा, जैसा उसके पिता दाऊद का हृदय था। उसने सीदोनियों की देवी अशतोरेत और अम्मोनियों के घृणित देवता मोलेक का अनुसरण किया। इसलिये सुलैमान ने यहोवा की दृष्टि में बुरा किया, और अपने पिता दाऊद की नाई पूरी रीति से यहोवा के पीछे नहीं चला। पूर्वी पहाड़ी पर उसने कमोश के लिए एक वेदी बनवाई, जहाँ वे अपने बच्चों को अपने देवताओं के सामने चढ़ाते थे।

उन्होंने अपने बच्चों को अपने देवताओं के लिये जला दिया। सुलैमान ने मोआब या एदोम या अम्मोन के देवता कमोश के लिये बच्चों को जला दिया।

क्या किसी के लिए भगवान से विमुख होना संभव है? जब मैं छोटा था तो मैं कैल्विनवाद में बहुत अधिक रुचि रखता था, एक बार बचाया, हमेशा बचाया या संतों की दृढ़ता। क्या सुलैमान ने अपने जीवन के अंत में अन्य देवताओं की सेवा करना छोड़ दिया था? हाँ।

अब कुछ लोगों का सुझाव है कि सभोपदेशक हमें बताता है कि सुलैमान अपने जीवन के अंत में प्रभु के पास वापस आया था। सभोपदेशक 12 में सुलैमान एक बूढ़ा व्यक्ति है और वह प्रभु के पास वापस आता है। संभव है कि? हाँ, यह संभव है। क्या तुमने लोगों को प्रभु से दूर जाते और फिर वापस नहीं आते देखा है? मेरा एक दोस्त है जिसका तलाक हो गया है, उसकी पत्नी को बच्चा हो गया है और यह लड़का मेरे साथ एक बहुत, बहुत, बहुत ही रूढ़िवादी स्कूल में पढ़ाता है। हमारी आखिरी बातचीत के बारे में मुझे बस इतना याद है कि उसने कम से कम पांच मिनट में तीस बार एफ-गॉड, एफ-गॉड कहा था। वह अपनी शादी को नष्ट करने के लिए भगवान पर बहुत क्रोधित था। अब प्रश्न: वास्तव में उसकी शादी किसने नष्ट की? वह इसका सामना नहीं करना चाहता था इसलिए उसने इसके लिए भगवान को दोषी ठहराया और उसने भगवान से मुंह मोड़ लिया। अब क्या यह संभव है कि वह प्रभु के पास वापस आये? बीस, तीस साल बाद मैं कह सकता हूँ, हाँ। मैं बस यह प्रश्न उठा रहा हूँ: क्या यह संभव है कि कोई व्यक्ति ईश्वर को जाने और फिर उससे दूर हो जाए? संभव है कि। फिर, मैं आपसे बस इतना ही कहना चाहता हूँ: एक कदम। "लेकिन भगवान की कृपा के लिए मैं वहां जाता हूँ।" अहंकारपूर्वक यह मत कहो, "मैं प्रभु का इन्कार कभी नहीं करूँगा," वास्तव में ऐसा किसने कहा था? पीटर ने ऐसा कहा और क्या हुआ? मैं बस इतना कह रहा हूँ: क्या विनम्रता अच्छी चीज़ है? सावधान रहें कि आप उन लोगों के बारे में क्या सोचते हैं जो प्रभु से दूर हो जाते हैं, यह संभव है कि वे वापस आएँगे और हमें उन प्रकार के लोगों के लिए और अपने लिए गंभीरता से प्रार्थना करने की आवश्यकता है क्योंकि हमारे दिल भटकने के लिए प्रवण हैं।

ठीक है, गुरुवार को मिलते हैं।

यह डॉ. टेड हिल्डेब्रांट अपने पुराने नियम के इतिहास, साहित्य और धर्मशास्त्र पाठ्यक्रम व्याख्यान संख्या 25 में है: बथशेबा के साथ डेविड का पाप और सोलोमन में संक्रमण।

रंड्ट
द्वारा रफ संपादित